हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार 28 जून 2026

तापमान
अधिकतम 39 .0 डिग्री से.
न्यूनतम 31.0 डिग्री से.

10 नागरिक अस्पताल में जन औषधि केंद्र खुला

10 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार...

खबर संक्षेप

गाड़ी की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

जींद। गांव बिरौली के निकट जींद-रोहतक नेशनल हाइवे पर तेज रफ्तार गाड़ी की टक्कर से स्कूटी सवार व्यक्ति की मौत हो गई। सदर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर गाड़ी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बराह कलां निवासी अनवरदीन (41) रोहतक रोड पर ट्रक बॉडी मेकर पर काम करता था। बीती देर रात वह स्कूटी पर सवार होकर काम से घर वापस लौट रहा था। जब वह जींद-रोहतक नेशनल हाइवे पर बिरौली के पास पहुंचा तो पीछे से गाड़ी ने टक्कर मार दी।

कल तीन घंटे बंद रहेगी विवि फीडर की सप्लाई

जींद। सोमवार को सीआरएसयू फीडर की पावर सप्लाई तीन घंटे बंद रहेगी। सीआरएसयू पावर हाउस इंचार्ज दीपक ने बताया कि इस दौरान मुरम्मत का काम किया जाएगा। सुबह छह से नौ बजे तक बिजली सप्लाई बंद रखी जाएगी। इसके चलते पावर हाउस से जुड़े 33केवी सीआरएसयू सब स्टेशन, 11केवी सीआरएसयू स्वतंत्र, बाईपास एपी, शादीपुरा आरडीएस, रघु नगर, इम्पलाइज कालोनी, स्वीचिंग स्टेशन बंद रहेंगे।

घर में घुस किया हमला तीन महिलाएं घायल

जींद। गांव ढांडा खेड़ी में घर में घुस रंजिशन हमला कर तीन महिलाओं को घायल करने तथा तोडफ़ोड़ करने पर सदर थाना पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ दर्ज किया है। गांव ढांडा खेड़ी निवासी पूजा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी बंसी परिवार से रंजिश चली आ रही है। वह गोबर डालने जा रही थी। उसी दौरान बंसी परिवार के लोग लठ लेकर मारने के लिए उसके पीछे दोड़े। जिस पर वह भाग कर अपने घर में घुस गई। आरोपित पीछा करते हुए घर में घुस गई। उसकी ननंद सुमन तथा सीमा ने बचाने की कोशिश की और वीडियो बनानी शुरू की तो आरोपितों ने उन पर भी हमला कर दिया।

ताश खेलते चार लोग दबोचे, नकदी बरामद

जींद। गढ़ी थाना पुलिस ने ताश के माध्यम से जुआ खेलते चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से ताश के पत्ते व 14 हजार 420 रुपये की नकदी बरामद की है। चारों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। गढ़ी थाना प्रभारी उपनिरीक्षक दिलबाग सिंह ने बताया कि शुक्रवार को उन्हें सूचना मिली कि खरल अनाजमंडी में कुछ लोग ताश पर पैसे लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर चारों को गिरफ्तार कर लिया है।

पशु चोर गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

जींद। सदर थाना पुलिस ने भैंस चोर गिरोह के दो सदस्यों उत्तर प्रदेश के शामली निवासी सारिक व रासीद को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से पुलिस ने आठ हजार रुपये की नगदी भी बरामद की हैं। दोनों को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सदर थाना प्रभारी उपनिरीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि ईंटल खुर्द निवासी कविता के पशुबाड़े से 30 नवंबर 2025 को एक भैंस व दो कटड़ी चोरी कर ले गए थे।

अवैध हथियार सहित आरोपी गिरफ्तार

कैथल। विशेष अभियान के तहत अपराध शाखा कलायत की टीम ने एक आरोपी को अवैध देसी कट्टा सहित काबू करने में सफलता हासिल की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की अपराध शाखा कलायत प्रभारी एएसआई मनीष कुमार की अगुवाई एएसआई मंजीत सिंह तथा मुख्य सिपाही बलराज सिंह की टीम को गश्त दौरान सूचना मिली की खुशमीत उर्फ मीड्डु गुहणा अवैध देसी कट्टा लेकर गांव सजुमा से कलायत की ओर पैदल आ रहा है। सूचना को विश्वसनीय मानते पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई की।

कुत्ता बन गया काल तो कंटेनर ने यमदूत बन कर छीनी तीन जिंदगी

नेशनल हाइवे 152 डी पर दर्दनाक हादसाः कार व तीन लोगों को घसीट कंटेनर हाइवे से बीस फीट नीचे कार पर गिरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव लजवाना कलां के निकट नेशनल हाइवे 152 डी पर दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत तथा दो लोगों के गभीर हो की घटना को तेज रफ्तार का कहर कहें या भगवान की नियति। घटना लोमहर्षक रही है। हादसा इतना खतरनाक था, मंजर इतना खौफजादा था कि देखने वालो की रूह कांप उठी। तेज रफ्तार कंटेनर टक्कर मारता हुए लगभग 20 फीट नीचे कार पर पलट गया। तीनों मृतक तथा दोनों घायल खाटू श्याम पूजा अर्चना करने जा रहे थे। हाइवे पर कुत्ते से कार की टक्कर से शुरू हुआ मौत का तांडव तीन लोगो की जिंदगी लील गया। जबकि दो गंभीर रूप से घायल जिदगी की जंग लड़ रही है। मृतक तथा घायल आपस में रिश्तेदार हैं। जुलाना थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव लिजवाना कलां के निकट नेशनल हाइवे पर हादसे का शिकार करनाल सैक्टर आठ निवासी धर्मपाल वासन, उसकी पत्नी नीतू, उसकी साली स्वीटी, उसका समधी सैक्टर 13 निवासी राजकुमार तुली, उसकी पत्नी रितू शनिवार सुबह अपनी कार ने सवार नेशनल हाइवे 152डी से खाटू श्याम के दर्शन करने के लिए रवाना हुए थे। मन में खाटू श्याम की भावना थी। तेजरफ्तार कंटेनर ने पांचों को टक्कर मार दी। जिसमें राजकुमार, धर्मपाल, स्वीटी की मौत हो गई। जबकि नीतू तथा रितू गंभीर रूप से घायल हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गांव लिजवाना कलां के निकट खाटू श्याम जा रहे श्रद्धालुओं की कार से कुत्ते की टक्कर हो गई। कुत्ता उठ कर चला गया लेकिन कार का बफर टूट गया। कार को हुए नुकसान को देखने के लिए तीनों मृतक गाड़ी के आगे चले गए। जबकि घायल दो महिला साइड में खड़ी हो गई। उसी दौरान पीछे से आए तेज कंटेनर ने कार को सीधी टक्कर मार दी। कंटेनर की साईड लगने से रितू तथा नीतू घायल हो गई। जबकि तेजरफ्तार कटेनर कार तथा उसके आगे खड़े तीनो लोगों को घसीटता हुआ हाइवे से 20 फीट नीचे कार पर जा गिरा। जिसमें महिला समेत तीनों की मौत हो गई। हादसे पर नजर दौड़ाई जाए तो घटना के पीछे कंटेनर की तेज रफ्तार का कहर सामने आया। कंटेनर चालक की लापरवाही ने तीन लोगों की जिंदगी छीन ली। कार अपनी साइड में थी। कोई अवरोध भी नही था। हाइवे की दो लाइन खाली थी। फिर भी साइड में खड़ी कार को तेजरफ्तार कंटेनर ने टक्कर मार दी। कंटेनर कार तथा तीनों लोगों को घसीटता हुआ हाइवे बीस फूट नीचे कार पर पलट गया। जिस प्रकार से हादसा हुआ, उससे साफ जाहिर है कि कंटेनर की स्पीड बहुत ज्यादा थी। जिसका चालक नींद या कहीं ध्यान भटका हुआ हो सकता है। जिसके चलते साइड में खडी कार तथा उसके पास खड़े लोगों को नही देख पाया। स्पीड कम होती तो कंटेनर कार घसीटते तथा तीन लोगों को रौंदता हुआ रेलिंग तोड़ की नीचे नही गिरता।

जींद। घटना में मृतकों के शवों को ले जाते पुलिसकर्मी व स्थानीय लोग।

मामला दर्ज

जुलाना थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि तीनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिए गए हैं। फरार कटेनर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल केस की जांच की जा रही है।

चूडमाजरा और फरल में कई दिनों से जारी अघोषित बिजली कटौती

सिर्फ तीन घंटे सप्लाई देने के विरोध में फरल बिजली कार्यालय पर जड़ा ताला

आंदोलन तेज करने की चेतावनी, कम बिजली से उपकरण हो रहे खराब

घोषित शेड्यूल के अनुसार आपूर्ति सुनिश्चित की जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ढांड

गांव चूडमाजरा और फरल में पिछले कई दिनों से जारी अघोषित बिजली कटौती व सिर्फ 3 घंटे ही बिजली सप्लाई देने के विरोध में शनिवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। किसान यूनियन के प्रधान राजीव आर्य ढांड के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीण फरल स्थित बिजली निगम कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने कार्यालय के मुख्य गेट पर ताला लगाकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बिजली निगम के खिलाफ नारेबाजी करते आरोप लगाया कि भीषण गर्मी के बावजूद क्षेत्र में घंटों बिजली गुल रहने से आमजन का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, जबकि निगम समस्या के समाधान के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रहा। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए किसान यूनियन के प्रधान राजीव आर्य ढांड ने कहा कि किसान इस समय धान सहित अन्य फसलों की तैयारियों में जुटे हैं, लेकिन लगातार बिजली कटौती के कारण खेतों की सिंचाई प्रभावित हो रही है। बार-बार बिजली आने-जाने से मोटरों और अन्य विद्युत उपकरणों के खराब होने का खतरा भी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के साथ भेदभाव किया जा रहा है और पर्याप्त बिजली उपलब्ध नहीं कराई जा रही, जिससे लोगों में भारी रोष है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में छोटे बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सबसे अधिक परेशान हैं। रात के समय घंटों बिजली गुल रहने से लोगों की नींद पूरी नहीं हो पा रही है, वहीं पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद बिजली व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं किया गया। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने मांग की कि क्षेत्र में घोषित शेड्यूल के अनुसार नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, अघोषित कटौती तुरंत बंद की जाए तथा स्थानीय स्तर पर आने वाली तकनीकी खराबियों का समय पर समाधान किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो किसान यूनियन के नेतृत्व में आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा तथा उच्च अधिकारियों के कार्यालयों का घेराव भी किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी बिजली निगम और प्रशासन की होगी।

ढांड। फरल बिजली निगम कार्यालय पर ताला लगाकर प्रदर्शन करते ग्रामीण।

ढांड। किसानों से बातचीत करते बिजली निगम के कर्मचारी।

स्थिति बनी तनावपूर्ण

प्रदर्शन के दौरान कुछ समय के लिए बिजली विभाग कार्यालय के बाहर माहौल तनावपूर्ण बना रहा। बाद में विभागीय अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने और समाधान का आश्वासन देने के बाद प्रदर्शन समाप्त किया गया। इस अवसर पर किसान यूनियन के प्रधान राजीव आर्य ढांड के अलावा सुभाष, सुशील, रमेश, राजेश, मोनू, मेसा, बूरा राम, जगमाल, फरल के सरपंच सहाब सिंह, गुरमीत सिंह, गुरनाम सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

बस स्टैंड का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते विधायक सतपाल जांबा।

विधायक जांबा ने बस स्टैंड का निरीक्षण कर परखी व्यवस्थाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

विधायक सतपाल जांबा ने शनिवार को पूंडरी बस स्टैंड का निरीक्षण कर यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बस स्टैंड परिसर की साफ-सफाई, पेयजल, यात्रियों के बैठने की व्यवस्था, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था तथा बसों के संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए तथा बस स्टैंड पर सभी मूलभूत सुविधाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि बस स्टैंड परिसर में स्वच्छता बनाए रखने, यात्रियों के लिए पेयजल एवं प्रतीक्षालय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा नियमित निगरानी रखने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि परिवहन सेवाओं का लाभ लेने वाले प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण मिलना चाहिए। विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में आमजन को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। परिवहन व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ और जनहितैषी बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है तथा विभिन्न स्थानों पर आधारभूत ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता को बेहतर, सुरक्षित और सुगम सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। क्षेत्रवासियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के लिए वे लगातार विभिन्न सरकारी संस्थानों का निरीक्षण कर रहे हैं।

दाखिले के लिए पोर्टल पर ट्रेड नहीं दिखने से अभ्यर्थी परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

आईटीआई में सत्र 2026-27 के प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के अंतिम चरण में तकनीकी समस्या सामने आने से अभ्यर्थियों की परेशानी बढ़ गई है।

दो जून से शुरू हुई प्रवेश प्रक्रिया के तहत आवेदन करने वाले कई विद्यार्थियों का कहना है कि पोर्टल पर उनकी पसंद के कई ट्रेड दिखाई नहीं दे रहे हैं। इसके चलते वे आवेदन पूरा नहीं कर पा रहे हैं और भविष्य को लेकर चिंतित हैं। जबकि ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित है और अब आवेदन के लिए केवल तीन दिन का समय शेष बचा है। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे लगातार पोर्टल पर लॉगिन कर रहे हैं, लेकिन कई ट्रेड सूची में उपलब्ध नहीं हैं। कुछ विद्यार्थियों ने संबंधित आईटीआई संस्थानों और विभागीय अधिकारियों से भी संपर्क किया, लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। इससे अनेक विद्यार्थी असमंजस की स्थिति में हैं कि वे आवेदन करें या पोर्टल के अपडेट होने का इंतजार करें।

फोन हैक कर अज्ञात ने ट्रांसफर किए 1.96 लाख

जींद। साइबर ठगों ने एक व्यक्ति के मोबाइल फोन को हैक कर उसके खातों से एक लाख 96 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए। साइबर थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सफीदों निवासी रविंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पीएनबी तथा एचडीएफसी बैंक में खाते हैं। दोनों बैंक खातों से उसका मोबाइल फोन नंबर लिंक है। गत चार जून को उसका फोन अचानक हैंग हो गया। जिस पर उसने मोबाइल फोन को बंद कर दोबारा चालू कर लिया। जिसके बाद उसका फोन ठीक चलने लगा। पांच जून को वह कैश लेने एचडीएफसी बैंक गया था।

विदेश में रह रहा भांजा बन साढ़े तीन लाख का चूना

- रुपये की डिमांड बढ़ी तो हुआ संदेह, पूछताछ करने पर ठगी का अहसास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

साइबर ठग ने अमेरिका में रह रहा भांजा बन कर एक व्यक्ति को साढ़े तीन लाख रुपये का चूना लगा दिया। साइबर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हमीरगढ़ निवासी दलबीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 24 जून को उसके मोबाइल फोन पर व्हाट्सअप कॉल आई। कॉल करने वाले ने बताया कि अमेरिका से आपका भांजा बिंटू बोल रहा हूं। जब उसने कहा कि बिंटू आवाज कुछ भारी लग रही है, तो उसने कहा कि गले में दिक्कत के कारण आवाज भारी लग रही है। फिर उसने कहा कि मामा अपना बैंक का खाता नंबर दे दो। जिसमे वह नौ लाख 75 हजार रुपये भेज रहा है। जिसके बाद उसने बैंक रसीद भी भेज दी। कुछ देर के बाद उसने कहा कि मेरे दोस्त की मां बीमार है। साढ़े तीन लाख रुपये उसके पास भेज दो। जिसके बाद उसने यूको बैंक का खाता भेज दिया। जिस पर उसने नरवाना जाकर अपने खाते से दिए गए खाते में साढ़े तीन लाख रुपये भेज दिए। उसी दौरान दोपहर बाद फिर से काल आई की दो लाख रुपये और उस खाते में भेज दो। जिस पर उसे कुछ संदेह हुआ। जब बिंटू के परिजनों से संपर्क साध कर पूछताछ की तो धोखाधड़ी का पता चला। साइबर थाना पुलिस ने दलबीर की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खाते से 1.64 लाख गायब

जींद। गांव खरकबूरा के व्यक्ति के मोबाइल फोन को हैक कर साइबर ठगों ने एक लाख 64 हजार को दूसरे खातों में ट्रांसफर कर लिया। साइबर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। खरकबूरा निवासी धर्मपाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह यूनियन बैंक उचाना का उपभोक्ता है। उसका मोबाइल फोन खाते से लिंक है। गत चार जून को बैंक से रुपये निकलवाने गया था। उसे पता चला कि उसके खाते से एक लाख 64 हजार कम है। जब उसने अपने खाते की डिटेल देखी तो गत 22 मई को 89 हजार रुपये तथा 23 मई को 75 हजार रुपये को दूसरे खातों में ट्रांसफर किया गया था। दो दिनों में उसके खाते से एक लाख 64 हजार ट्रांसफर किए गए थे।

ट्रेन को जींद जंक्शन से डीजल इंजन की सहायता से सोनीपत ले जाया गया

हाइड्रोजन ट्रेन का लगातार दूसरे दिन भी हाई स्पीड ट्रायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हाइड्रोजन ट्रेन का शनिवार को हाई स्पीड ट्रायल दूसरे दिन जारी रहा। दूसरे दिन पहले ट्रेन को जींद जंक्शन से डीजल इंजन की सहायता से सोनीपत ले जाया गया। सोनीपत से दिल्ली सब्जी मंडी के बीच चार चक्कर लगाए गए। जींद से दिल्ली जाते समय ट्रेन की स्पीड 70 किलोमीटर प्रति घंटा की रही। सोनीपत से दिल्ली सब्जी मंडी के बीच ट्रेन के तीन ट्रायल हुए। इस दौरान ट्रेन को 80, 100 और 120 की अलग-अलग स्पीड मानकों पर ट्रायल किया गया। वहीं शुक्रवार को ट्रेन पहले जींद से दिल्ली गई थी और फिर दिल्ली से सोनीपत के बीच ट्रायल किए गए थे। शुक्रवार को दिल्ली से सोनीपत रूट पर ट्रेन का ट्रायल 85 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से किया गया था। इसके बाद सोनीपत से दिल्ली जाते समय भी ट्रेन की स्पीड 85 किलोमीटर प्रति घंटा रही थी। इसके बाद दिल्ली-सोनीपत रूट पर अपडाउन का चक्कर 100 किलोमीटर प्रति घंटा से ट्रायल किया गया। वहीं दिल्ली से सोनीपत आते समय अंतिम चक्कर 120 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड रखी गई थी। शुक्रवार देर रात ट्रेन सोनीपत से जींद वापस जींद पहुंची थी। गौरतलब है कि हाइड्रोजन ट्रेन का इससे पहले 75 और 85 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से स्पीड ट्रायल हो चुका है। अब ट्रेन के हाई स्पीड टेस्ट के दौरान हर बारीकी पहलुओं पर नजर बनाई जा रही है।

जींद। ट्रैक पर मौजूद हाइड्रोजन ट्रेन। *फोटो :हरिभूमि*

परीक्षण सबसे महत्वपूर्ण चरण

हाई स्पीड परीक्षण के लिए बाहर से हाइड्रोजन गैस मंगवाई गई है ताकि ट्रेन को पर्याप्त ईंधन मिल सके। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह परीक्षण हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण चरण है। इसके सफल रहने पर देश में स्वच्छ ऊर्जा आधारित रेल संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि इस परीक्षण की सफलता से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के संचालन का मार्ग और अधिक स्पष्ट हो जाएगा। हाइड्रोजन ईंधन पर आधारित यह ट्रेन पारंपरिक डीजल ट्रेनों की तुलना में पर्यावरण के लिए अधिक अनुकूल है, जिससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और भारतीय रेलवे को हरित व आधुनिक परिवहन व्यवस्था की दिशा में नई पहचान मिलेगी।

जींद में २२ परीक्षा केंद्रों पर १२874 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

डीसी एवं जिला मजिस्ट्रेट डा. वैशाली शर्मा ने बताया कि चार व पांच जुलाई को होने वाली हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा के सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिले के 22 परीक्षा केंद्रों पर कुल 12874 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए लघु सचिवालय के सभागार को कंट्रोल रूम में स्थापित किया गया है। यहां पर्याप्त मात्रा में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। नागरिकों की सुविधा के लिए दूरभाष नम्बर स्थापित किया गया है। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए सभी संबंधित कर्मियों की जिम्मेदारियां तय कर दी गई हैं। डीसी डा. वैशाली शर्मा ने बताया कि परीक्षा से संबंधित समन्वय एवं त्वरित सहायता के लिए लघु सचिवालय के प्रथम तल पर स्थित सभागार में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। परीक्षा के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने, अभ्यर्थियों को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराने व शिक्षा बोर्ड भिवानी के दिशा-निर्देशों की पूर्ण अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं कर दी गई है।

खबर संक्षेप

हरियाणा में कानून व्यवस्था चरमराई

नरवाना। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा लोकसभा क्षेत्र की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार बद से बदतर होती जा रही है। अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब वे जनप्रतिनिधियों को भी खुलेआम जान से मारने की धमकियां देने लगे हैं और करोड़ों रुपये की फिरौती मांग रहे हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि कुछ दिन पहले महम से कांग्रेस विधायक बलराम दांगी के कार्यालय के बाहर फायरिंग की घटना हुई थी।

एमपीएचडब्ल्यू पांच को करेंगे प्रदर्शन

जींद। बहु उद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन ने आगामी पांच जुलाई के प्रस्तावित रोष प्रदर्शन की तैयारियों को तेज कर दिया है। एसोसिएशन की प्रदेश अध्यक्ष शर्मिला देवी, महासचिव सहदेव आर्य एवं प्रवक्ता संदीप कुंडू ने प्रदेश के 16 जिलों के किए गए दौरे के बाद बताया कि प्रदेशभर में कर्मचारियों में सरकार एवं विभाग की ढुलमुल रवैये के खिलाफ रोष है जो कि बड़े आंदोलन का रूप भी ले सकता है जनहित में पोलियो कार्यक्रम के चलते तीन दिन के लिए रोका गया है, उसके बाद प्रदेश के बाकी जिलों में तैयारियों को ओर तेज करते हुए आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा।

युवती को काल कर की अश्लील बातें, केस दर्ज

जींद। युवती को फोन कर अश्लील बाते करने, पत्र भेज कर शादी के लिए दबाव डालने तथा धमकी देने पर शहर थाना पुलिस अज्ञात युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शहर थाना इलाके की एक युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 25 जून को उसके फोन पर कॉल आई। कॉल रिसीव करने पर उस युवक ने अशील बाते शुरू कर दी। आरोपित ने उस पर शादी के लिए दबाव डाला। जब उसने विरोध किया तो आरोपित ने बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी। अगले दिन उसके घर पत्र पर भेजा गया। जिसमें उस पर शादी के लिए दबाव डाला गया और शादी न करने पर बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी गई।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जींद। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डा. वैशाली शर्मा के निर्देशन में 36 जींद विधानसभा क्षेत्र के डेडिकेटेड एईआरओ सत्यवान मलिक द्वारा राजकीय जिला पुस्तकालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। एईआरओ सत्यवान मलिक ने बताया कि इस पुस्तकालय में अध्यनरत विद्यार्थियों एवं पुस्तकालय के कर्मियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने एवं संशोधन के लिए प्रपत्र भरने की विधि, सुविधाओं तथा दावा एवं आपत्तियां दर्ज कराने की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

जुआ खेल रहे चार आरोपी गिरफ्तार

कैथल। विशेष अभियान के तहत थाना शहर कैथल पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जुआ खेल रहे चार आरोपियों को काबू कर लिया गया। आरोपियों के कब्जे 30,840 रुपये की नकदी तथा 101 ताश के पत्ते बरामद हुए। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 26 जून की मध्यरात्रि थाना शहर कैथल के एसआई सुभाष अपनी टीम के साथ अपराध की रोकथाम एवं गश्त के दौरान चंदाना गेट क्षेत्र में मौजूद थे।

पूंडरी क्षेत्र से विवाहिता लापता, मामला दर्ज

कैथल। पूंडरी के गांव से स्कूल से सर्टिफिकेट लेने की बात कहकर घर से निकली विवाहिता संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। काफी तलाश के बाद कोई सुराग नहीं लगा। शिकायत पर पूंडरी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में एक गांव निवासी महिला ने बताया कि उसकी 35 साल की पुत्रवधू शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे स्कूल से सर्टिफिकेट लेने की बात कहकर घर से निकली थी।

अधिकारियों ने किया निरीक्षण, औपचारिक तौर पर खुलवाई

नागरिक अस्पताल में जन औषधि केंद्र खुला

फार्मासिस्ट न होने से पिछले एक सप्ताह से था बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में पिछले एक स्पताह से बंद जन औषधि केंद्र को शनिवार को खोल दिया। फार्मासिस्ट की डयूटी जिला कारागार में लगने के चलते जन औषधि केंद्र नही खुल पा रहा था। जिसके चलते आमजन को सस्ती दरों पर दवाएं न मिलने से परेशानी हो रही थी। ऐसे में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय द्वारा आदेश जारी किए गए कि जन औषधि केंद्र को जनहित में तत्काल प्रभाव से खोला जाएगा। जिस पर शनिवार को डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने संबंधित अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया और औपचारिक तौर पर खुलवा दिया। नागरिक अस्पताल में जन औषधि केंद्र का लाइसेंस फार्मासिस्ट पवन जैन के नाम पर है। पवन जैन का स्थानांतरण जिला कारागार जींद में हो गया है। जिसके कारण केंद्र बंद पड़ा था। दवा न मिलने के चलते लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही थी। स्वास्थ्य विभाग के संज्ञान में मामला आने पर नए फार्मासिस्ट योगिंद्र सिंह के नाम से लाइसेंस की प्रक्रिया को शुरू करवाया गया है। इस प्रक्रिया में सामान्यतः सात से 10 दिन का समय लग सकता है। नागरिक अस्पताल में जनहित को ध्यान में रखते हुए और आमजन को सस्ती दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मुख्य फार्मासिस्ट की देखरेख में केंद्र को तुरंत खोलने का निर्णय लिया गया है। बाकायदा इसे लेकर सीएमओ कार्यालय द्वारा पत्र जारी किया गया है। पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि लाइसेंस की औपचारिक प्रक्रिया पूरी होने तक मुख्य फार्मासिस्ट योगिंद्र सिंह की देखरेख में कार्य करेंगे।

जींद। जन औषधि केंद्र को खुलवाते स्वास्थ्य अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना

नागरिक अस्पताल की सीएमओ डा. सुमन कोहली ने बताया कि जन औषधि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का हिस्सा है, जिसमें दवाइयों को बाजार मूल्य से सस्ते दामों पर उपलब्ध कराया जाता है। केंद्र के बंद रहने से स्थानीय लोगों को दवाइयों की खरीदारी में परेशानी हो रही थी। इस फैसले से न केवल मरीजों को राहत मिलेगी बल्कि सरकारी अस्पताल में इलाज कराने वाले गरीब और आम वर्ग को भी सीधा लाभ पहुंचेगा।

बोर्ड गठित

वहीं जन औषधि केंद्र खोलने के उद्देश्य से एक बोर्ड भी गठित किया गया है। जिसमें डा. हीना (फिजीशियन) नागरिक अस्पताल जींद, डा. दीपक (सर्जन), नागरिक अस्पताल जींद, डा. सुधीर (चिकित्सा अधिकारी) और सुभाष चीफ फार्मासिस्ट को शामिल किया गया है। जन औषधि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का हिस्सा है, जिसमें दवाइयों को बाजार मूल्य से 50 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक सस्ते दामों पर उपलब्ध कराया जाता है। डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने बताया कि लाइसेंस प्रक्रिया पूरी होते ही केंद्र का पूर्ण प्रभार नए फार्मासिस्ट को सौंप दिया जाएगा। फिलहाल केंद्र सुचारू रूप से संचालित रहे, इसके लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। यह कदम स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने तथा जन औषधि योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए उठाया गया है।

यूजी कोर्स में ऑनलाइन आवेदन को लेकर तीन दिन शेष

जींद। यूजी कोर्स में आनलाइन आवेदन को लेकर केवल तीन दिन बचे हैं। विद्यार्थी अपने पसंदीदा संकायों में दाखिले के लिए 30 जून तक आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद 10 जुलाई को पहली मेरिट लिस्ट जारी होगी। जिन विद्यार्थियों का नाम मेरिट लिस्ट में आएगा, उनके पास 11 से 15 जुलाई तक फीस जमा करवाने का समय रहेगा। हालांकि इस बार शेड्यूल में बदलाव होना मुश्किल लग रहा है। जबकि कम आवेदनों के चलते उच्चतर शिक्षा विभाग शेड्यूल में तीन बार बदलाव कर चुका है। कालेजों में दाखिला कमेटी द्वारा दस्तावेजों का सत्यापन और विद्यार्थियों की लाग इन आइडी से त्रुटि हटाने का कार्य छह जुलाई तक होगा। आठ जुलाई को मेरिट लिस्ट को लेकर पात्र विद्यार्थियों की सूची जारी होगी। इसके बाद नौ जुलाई को पहली प्रोविजनल लिस्ट तो 10 जुलाई को फाइनल मेरिट लिस्ट जारी होगी। जिन विद्यार्थियों का नाम पहली मेरिट लिस्ट में आएगा, उनके पास 11 से लेकर 15 जुलाई तक फीस जमा करवाने का समय रहेगा। विद्यार्थियों द्वारा भी लगातार आवेदन किए जा रहे हैं। राजकीय पीजी कालेज में विभिन्न 13 संकायों में 2670 आवेदन आ चुके हैं। बीए कला संकाय में निर्धारित 600 सीटों पर 1421 आवेदन आए हैं।

जींद। जिला पुस्तकालय का निरीक्षण करते डीसी। फोटो :हरिभूमि

फायर सेफ्टी, पेयजल व अन्य मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश

डीसी ने पुस्तकालय का किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

डीसी डा. वैशाली शर्मा ने शनिवार को जिला मुख्यालय स्थित राजकीय पुस्तकालय का दौरा कर लाइब्रेरी में अध्ययन करने आने वाले विद्यार्थियों एवं पाठकों को बेहतर वातावरण उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से फायर सेफ्टी, पेयजल, वाईफाई, स्वच्छता तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुस्तकालय में अग्नि सुरक्षा से जुड़े सभी उपकरण पूरी तरह कार्यशील स्थिति में होने चाहिए। उन्होंने कहा कि फायर एक्सटिंग्विशर सहित सभी सुरक्षा उपकरणों की समय-समय पर जांच कराई जाए तथा आवश्यकता पडऩे पर उन्हें तुरंत बदला जाए ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। डा. वैशाली शर्मा ने पुस्तकालय में पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण करते कहा कि स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल की उपलब्धता हर समय सुनिश्चित की जाए। उन्होंने शौचालयों की साफ.-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था, एसी, पंखों, बिजली व्यवस्था तथा भवन के रखरखाव का भी निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। कहा कि राजकीय पुस्तकालय विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं तथा आम पाठकों के लिए ज्ञान का महत्वपूर्ण केंद्र है। इसलिए यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। डीसी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुस्तकालय में जिन सुविधाओं की कमी है, उन्हें शीघ्र दूर किया जाए तथा नियमित निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी मूलभूत सुविधाएं सुचारु रूप से उपलब्ध रहें।

ग्राम सचिवालय-पशु औषधालय का शिलान्यास

नरवाना। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा है कि ग्रामीण विकास हरियाणा सरकार की पहली और सर्वोच्च प्राथमिकता है। शहरों की तर्ज पर ग्रामीण अंचल का भी विकास किया जा रहा है और प्रगति का पहिया नरवाना क्षेत्र में भी तेजी से घूम रहा है। आने वाले समय में यह इलाका तरक्की का बड़ा हब बनेगा। यह विचार कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने शनिवार को गांव फरेण कलां में आयोजित जनसभा को संबोधित करते व्यक्त किए। इस दौरान उन्होंने पंचायती राज विभाग के अंतर्गत बनने वाले ग्राम सचिवालय का नींव पत्थर रखा, जिस पर लगभग 88 लाख 25 हजार रुपये की लागत आएगी। इसके अलावा मंत्री ने पशुपालन विभाग के तहत बनने वाले राजकीय पशु औषधालय का भी शिलान्यास किया, जिस पर करीब 31 लाख खर्च किए जाएंगे। साथ ही गांव में पंचायती राज विभाग द्वारा निर्मित दो नई गलियों का उद्घाटन भी किया गया।

फरैण में पशु चिकित्सा केंद्र का शिलान्यास कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

जींद। समापन समारोह में अतिथियों को सम्मानित करते आयोजक।

मोतीलाल स्कूल में बच्चों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

जींद। मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल जींद में आयोजित 7 दिवसीय जिला स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का समापन समारोह उत्साह, अनुशासन एवं रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ। समापन समारोह में विद्यालय के प्राचार्य रविंद्र कुमार एवं आचार्य सूर्य देव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला एनएसएस समन्वयक हंसबीर रेढू ने किया। मंच का संचालन शशिकांत ने किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथियों ने स्वयंसेवकों की सेवा भावना, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की सराहना करते हुए उन्हें समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। समारोह में स्वयंसेवकों ने अपनी शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। श्रेष्ठा एवं उनकी टीम ने हरियाणवी समूह नृत्य, मनिंद्र कौर ने पंजाबी लोक नृत्यए खुशी ने एकल नृत्य तथा मंजीत श्योकंद ने मधुर गीत प्रस्तुत किया।

सीवर का धंसा ढक्कन दे रहा हादसों को न्योता

उचाना। उचाना कलां अंडरपास शहर की तरफ से उचाना कलां की ओर जाने वाले मार्ग पर सड़क के बीचों-बीच स्थित सीवरेज का धंसा हुआ ढक्कन राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बन गया है। सड़क की सतह से काफी नीचे धंसा यह ढक्कन आए दिन दुर्घटनाओं को न्योता दे रहा है। स्थानीय लोगों ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग से इसे जल्द सड़क के स्तर के बराबर करने की मांग की है। सड़क के बीच बने इस गहरे गड्ढे के कारण विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तेज गति से आने वाले वाहन चालक अचानक गड्ढा देखकर ब्रेक लगाने को मजबूर हो जाते हैं, जिससे वाहन का संतुलन बिगडऩे और हादसा होने का खतरा बना रहता है। रामनिवास, सत्यवान, सतबीर और सुरेंद्र ने बताया कि वे कई बार सीवरेज के ढक्कन को सड़क के स्तर तक ऊंचा करने की मांग कर चुके हैं।

उचाना कलां अंडरपास रोड पर सीवरेज का ढक्कन धंसने से बना गहरा गड्ढा।

जींद। मीटिंग में मौजूद नवनियुक्त पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

सुनील जिंदल बने जिला ज्वैलर्स एसो. के प्रधान

जींद। ज्वैलर्स एसोसिएशन जींद की शनिवार को आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में शहर के बड़ी संख्या में सर्राफा व्यापारियों ने भाग लिया और संगठन को मजबूत बनाने तथा व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए नई टीम का चयन किया गया। सर्वसम्मति से वरिष्ठ ज्वैलर्स सुनील जिंदल को एसोसिएशन का प्रधान चुना गया। नई कार्यकारिणी में ओम प्रकाश भारद्वाज, सतपाल और कृष्ण सिंगला को संरक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं कुलदीप बड़ाला और महेश जिंदल को वरिष्ठ उपप्रधान तथा जितेश कुमारए राजेंद्र मल्होत्रा और रवि वर्मा को उपप्रधान बनाया गया है। इसके अलावा आशीष भारद्वाज को महासचिवए मुनीष भोला को सहसचिव, पीयूष भोला को कोषाध्यक्ष तथा मुनीष सिंगला को सह कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। अनुज भोला और नितिश भारद्वाज (सन्नी) को प्रेस सचिव की जिम्मेदारी दी गई है।

उचाना। दुर्जनपुर में मीठे खुजले का स्वाद चखते विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री।

दुर्जनपुर के प्रसिद्ध खुजले का विधायक ने चखा स्वाद

उचाना। भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री फिर अपने सहज, मिलनसार स्वभाव और सादगी को लेकर चर्चा में रहे। दुर्जनपुर गांव में संत शिरोमणि कबीर साहेब की जयंती समारोह में शामिल होने के बाद लौटते समय विधायक का काफिला अचानक गांव के प्रसिद्ध मीठे खुजले की दुकान पर रुक गया। विधायक अत्री ने दुकानदार से आत्मीयता से बातचीत की और दुर्जनपुर के मशहूर मीठे खुजले का स्वाद चखा। स्वाद चखने के बाद कहा कि दुर्जनपुर के मीठे खुजले का स्वाद वास्तव में अलग और बेहद लाजवाब है। विधायक ने कहा कि हर क्षेत्र की विशेष पहचान होती है व स्थानीय पारंपरिक व्यंजन उस पहचान को और मजबूत बनाते हैं। उन्होंने ऐसे स्थानीय उत्पादों और छोटे व्यापारियों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। विधायक के अचानक दुकान पर पहुंचने से वहां मौजूद ग्रामीणों और ग्राहकों में उत्साह का माहौल बन गया। लोगों ने विधायक के साथ बातचीत की और उनके सादगीपूर्ण व्यवहार की सराहना की।

विधायक अत्री की दुर्जनपुर को सौगात

- धानक चौपाल में बनेगी लाइब्रेरी महिलाओं के लिए बनेगा पार्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

दुर्जनपुर में संत शिरोमणि सतगुरु कबीर साहेब के 629वें प्रकट दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने ग्रामीणों को दो बड़ी सौगातें देने की घोषणा की। उन्होंने धानक चौपाल में आधुनिक लाइब्रेरी बनाने तथा पंचायत द्वारा भूमि उपलब्ध कराए जाने पर महिलाओं के लिए पार्क का निर्माण इसी वर्ष करवाने का ऐलान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री का ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों, फूलों की वर्षा और पगड़ी पहनाकर भव्य स्वागत किया। विधायक ने कहा कि उन्हें पहनाई गई सम्मान की पगड़ी उनके लिए विश्वास और सम्मान का प्रतीक है। इस सम्मान पर कभी आंच नहीं आने देंगे और जनता का विश्वास हमेशा बनाए रखेंगे। विधायक ने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा देश है, जहां लगभग 65 प्रतिशत आबादी युवा है। युवाओं का भविष्य शिक्षा से ही उज्ज्वल बन सकता है। संत कबीर साहेब को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब समाज उनके बताए सत्य, समानता और भाईचारे के मार्ग पर चले। विशिष्ट अतिथि डॉ. जयनारायण, रमेश राणा महामंत्री उचाना मंडल, विजय खंदराई, , देव मंगलपुर मौजूद रहे।

उचाना। कार्यक्रम में मंच पर मौजूद विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री एवं गणमान्य लोग।

जींद। मीटिंग में मौजूद संघ के पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

सरकार की वादा खिलाफी के विरोध में प्रदर्शन का ऐलान

जींद। भारतीय मजदूर संघ हरियाणा की प्रदेश कार्य समिति के निर्णय अनुसार हरियाणा सरकार की वादा खिलाफी के विरोध में एक जुलाई को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन करके जिला उपयुक्त के माध्यम से हरियाणा सरकार को ज्ञापन भेजेगा। संघ की ओर से जानकारी देते हुए जिला मंत्री विनोद शर्मा ने बताया कि सरकार ने विभिन्न विभागों में कार्यरत अनुबंधित कर्मचारियों को 15 जून तक सेवा सुरक्षा अधिनियम के तहत उनकी सेवा सुरक्षा करने का वायदा किया थाए परंतु सरकार तिथि पर तिथि दे रही है। अब 15 अगस्त तक अनुबंधित कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा देने का पत्र जारी कर दिया है, जिससे प्रदेश के कर्मचारियों में रोष है। इसके अलावा भारतीय मजदूर संघ हरियाणा ने प्रदेश सरकार को कर्मचारियों की मांगों में समस्याओं का मांग पत्र भेजा था। परंतु सरकार ने वार्ता बैठक के लिए अभी तक कोई समय नहीं दिया। इसलिए एक जुलाई को होने वाले विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों श्रमिक व कर्मचारी भाग लेंगे।

भाजपा कार्यालय में 12 साल विश्वास के, जनकल्याण के विषय पर सम्मेलन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 12 सालों में लिए जनहितैषी निर्णय : डॉ. गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

भाजपा जिला प्रभारी डा. मदन लाल गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले 12 वर्षों में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते कई जनहितकारी निर्णय लिए हैं। सरकार की नीतियों का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। भाजपा जिला प्रभारी डा. मदन लाल गोयल शनिवार को जिला भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में 12 साल विश्वास के, जनकल्याण के विषय पर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष तेजेंद्र ढुल ने की। कहा कि आज भारत वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बना चुका है और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। विजयपाल ने कहा कि भाजपा का मूल आधार राष्ट्रवाद, सेवा, सुशासन और अंत्योदय की विचारधारा है। कहा कि केंद्र सरकार के 12 वर्षों का कार्यकाल केवल उपलब्धियों का लेखाजोखा नहीं बल्कि देश के जरूरतमंद, किसानों, महिलाओं, युवाओं, मजदूरों और वंचित वर्गों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का काल रहा है।

जींद। कार्यक्रम के दौरान मंच पर मौजूद भाजपा नेता। फोटो :हरिभूमि

राष्ट्रहित सर्वोपरि

जिला अध्यक्ष तेजेंद्र सिंह ढुल ने कहा कि प्रबुद्धजन समाज को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके अनुभव, सुझाव और सकारात्मक सहभागिता से संगठन को नई ऊर्जा प्राप्त होती है। सभी प्रबुद्धजनों से राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते संगठन की विचारधारा व सरकार की जनहितकारी योजनाओं को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का आह्वान किया। सम्मेलन के दौरान केंद्र सरकार के 12 वर्षों की जनकल्याणकारी उपलब्धियों, संगठन की विचारधारा, राष्ट्रहित के संकल्पए विकसित भारत के लक्ष्य व आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की । जिला महामंत्री डा. पुष्पा तायल, सरदार जितेंद्र रोड, डा. ओमप्रकाश पहल, जींद नगर परिषद चेयरपर्सन डा. अनुराधा सैनी, साधु राम, सोहन सिंह रजाना मंडल महामंत्री, मार्केट कमेटी चेयरमैन बबलू गोयल, मदन गोयल, पुरुषोत्तम शर्मा, सुभाष शर्मा, रवि थनई, ललित व सक्षम भाटिया मौजूद रहे।

उचाना। पुरानी मंडी में लगाई गई ठंडे पानी की छबील। फोटो :हरिभूमि

राहगीरों के लिए ठंडे मीठे पानी की छबील लगाई

उचाना। बढ़ती गर्मी और तेज धूप के बीच पुरानी अनाज मंडी में वाहन चालकों, राहगीरों एवं आमजन की प्यास बुझाने के लिए ठंडे मीठे पानी की छबील लगाई गई। छबील में दिनभर बड़ी संख्या में लोगों ने रुककर ठंडे मीठे पानी का सेवन किया और आयोजनकर्ताओं की इस सेवा भावना की सराहना की। सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश गर्ग ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से लगातार तापमान बढऩे के कारण लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे मौसम में राह चलते लोगों को राहत पहुंचाने और मानव सेवा के उद्देश्य से ठंडे मीठे पानी की छबील लगाई गई। भारतीय संस्कृति में प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य माना जाता है और गर्मी के दिनों में इस प्रकार की सेवा का विशेष महत्व होता है। छबील के दौरान वाहन चालक, मजदूर, व्यापारी और राहगीरों ने रुककर ठंडा मीठा पानी पिया।

खबर संक्षेप

सरकार की तानाशाही बर्दाश्त नहीं करेंगे

कैथल। एसकेएस जिला कार्यकारणी की विस्तारित बैठक जवाहर पार्क स्थित संगठन कार्यालय मे जिला प्रधान ओमपाल भाल की अध्यक्षता मे हुई व संचालन जिला सचिव शिवचरण किया । बैठक मे बतौर मुख्य वक्ता के तौर पर बोलते हुए सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य महासचिव कृष्ण नैन, हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के राज्य महासचिव रामपाल शर्मा व राज्य उपप्रधान कपिल सिरोही ने कहा की हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) की तानाशाही किसी भी सूरत मे बर्दाश्त नही करेगा।

सुभाष चन्द्र बोस पुरस्कार के लिए आवेदन 31 तक

कैथल। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन 31 जुलाई तक किया जा सकता है। यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर प्रदान किया जाता है।

पुलिस ने किया असला सप्लायर को गिरफ्तार

कैथल। असला अमुनेशन बरामदगी के एक मामले की जांच स्पेशल डिटेक्टिव युनिट प्रभारी इंस्पेक्टर सुनील कुमार की अगुवाई में एएसआई शमशेर सिंह द्वारा करते हुए आरोपी गांव राहड़ा जिला करनाल निवासी रणदीप उर्फ टिंकू को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया गया। प्रवक्ता ने बताया की 31 मई को स्पेशल डिटेक्टिव युनिट के एएसआई बिजेंद्र सिंह की टीम द्वारा एक गुप्त सूचना के आधार पर मंडवाल माइनर के पास से आरोपी प्रदीप निवासी गांव चौंचड़ा जिला करनाल को काबू किया गया था।

जमीन विवाद में जान से मारने की दी धमकी

कैथल। कलायत में जमीन कब्जाने को लेकर विवाद हो गया। मामले में एक महिला ने कुछ लोगों पर मकान की दीवार गिराने, लोहे का गेट तोड़ने, लाखों रुपए का नुकसान करने और जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। कलायत थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मंदड़ी से चोर बिजली ट्रांसफॉर्मर चुरा ले गए

कैथल। गांव मूंदड़ी में चोरों ने खेतों में लगा 16 केवी का बिजली ट्रांसफार्मर चोरी कर लिया। इस चोरी से बिजली निगम को करीब 55 हजार रुपए का नुकसान हुआ है। एसडीओ की शिकायत पर पूंडरी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूंडरी के बिजली निगम के एसडीओ कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि क्षेत्र प्रभारी जेई नरेश की रिपोर्ट के अनुसार 22 जून की रात गांव मूंदड़ी में रामपाल के कृषि कनेक्शन पर लगा 16 केवी क्षमता का ट्रांसफार्मर चोरी हो गया। चोर ट्रांसफार्मर का कीमती सामान निकालकर फरार हो गए। जांच अधिकारी सतीश ने बताया कि चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सांसद जिंदल का जताया आभार, कहा- क्षेत्र में लगातार करा रहे विकास कार्य

विधायक जांबा ने किया ढांड के पंचमुखी चौक पर लगे वाटर कूलर का शुभारंभ

भीषण गर्मी में राहगीरों को मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ढांड

भीषण गर्मी में राहगीरों और आमजन को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से कुरुक्षेत्र लोकसभा सांसद नवीन जिन्दल के सहयोग से ढांड के पंचमुखी चौक पर लगाए गए वाटर कूलर का शुभारंभ पूंडरी के विधायक सतपाल जांबा ने ठंडा जल पीकर किया। इस अवसर पर विधायक के पहुंचने पर ग्राम पंचायत ढांड के सरपंच जसबीर सिंह तथा ग्रामीणों ने फूलमालाएं पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया। शुभारंभ के बाद विधायक सतपाल जांबा ने सांसद नवीन जिन्दल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सांसद द्वारा पूरे लोकसभा क्षेत्र में लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के प्रमुख चौकों और सार्वजनिक स्थानों पर वाटर कूलर लगाए जा रहे हैं, ताकि भीषण गर्मी में राहगीरों को शुद्ध एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध हो सके। इससे लोगों की प्यास बुझने के साथ-साथ गर्मी से भी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि सांसद नवीन जिन्दल क्षेत्र में विकास कार्यों के साथ-साथ युवाओं के भविष्य को लेकर भी गंभीर हैं। युवाओं को रोजगार और आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न स्किल विकास योजनाओं पर भी कार्य किया जा रहा है। ग्राम पंचायत ढांड के सरपंच जसबीर सिंह ने सांसद नवीन जिन्दल और विधायक सतपाल जांबा का धन्यवाद करते हुए कहा कि पंचमुखी चौक गांव का मुख्य केंद्र है, जहां से प्रतिदिन हजारों राहगीर और क्षेत्रवासी गुजरते हैं। ऐसे स्थान पर ठंडे पेयजल की व्यवस्था करना जनहित का सराहनीय कार्य है।

ढांड। विधायक सतपाल जांबा वाटर कूलर का शुभारंभ करते हुए। फोटो: हरिभूमि

विकसित भारत का संकल्प होगा साकार

सांसद नवीन जिन्दल के कैथल कार्यालय प्रभारी रविन्द्र धीमान ने कहा कि सांसद का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अपना योगदान देना है। इसी सोच के तहत कुछ समय पहले लोकसभा क्षेत्र के विधायकों और सरपंचों के साथ बैठक कर प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर वाटर कूलर लगाने का निर्णय लिया गया था। इस अवसर पर डॉ. बलविंदर संगरौली, निधि मोहन,अरविंद गोलन, ढांड थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर पवन कुमार, सतबीर गिल, ढांड अनाज मंडी प्रधान दीपक शर्मा, राजू शर्मा, प्रेम शर्मा, दीनानाथ सैनी, ईश्वर गुर्जर, विजय चूहडमाजरा, वीरभान गर्ग, नसीब जड़ौला, माला आदि उपस्थित रहे।

पूंडरी। विधायक सतपाल जांबा पुंडरीक तीर्थ की सफाई करते हुए।

पुंडरीक तीर्थ की सफाई में उतरे विधायक सतपाल जांबा

■ बोले- तीर्थ को पर्यटन स्थल के रूप में करेंगे विकसित

पूंडरी। पूंडरी हलका विधायक सतपाल जांबा और उनकी टीम ने शनिवार को पुंडरीक तीर्थ पर स्वच्छता अभियान चलाया। विधायक के नेतृत्व में दर्जनों लोगों ने तीर्थ के गहरे पानी में उतरकर सफाई की। इस दौरान पानी के अंदर उगी घास को उखाड़कर बाहर निकाला गया और पूरे तीर्थ परिसर की सफाई की गई। सफाई अभियान में शामिल सभी लोगों ने सुरक्षा के लिए सेफ्टी जैकेट पहन रखी थी। विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि उनका उद्देश्य पूंडरी शहर को साफ, स्वच्छ और सुंदर बनाना है, जिसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पुंडरीक तीर्थ को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की योजना पर भी काम किया जा रहा है। इसके लिए करीब 4 करोड़ रुपये की ग्रांट मंजूर करवाई गई है, जिसका ड्राफ्ट तैयार हो चुका है। उन्होंने कहा कि प्रयास है कि बाहर से भी लोग पुंडरीक तीर्थ को देखने और यहां स्नान करने के लिए पहुंचे। इसके अलावा शहर के विकास को लेकर भी लगातार योजनाओं पर काम किया जा रहा है।

गुहला-चीका। गांव चाबा के गुरुघर में सांसद नवीन जिंदल द्वारा स्थापित वाटर कूलर संगत को समर्पित करते सांसद कार्यालय के प्रभारी रविंदर धीमान।

सांसद जिंदल ने गांव चाबा के गुरुघर में लगवाया वाटर कूलर

■ गुरुघर में आने वाले श्रद्धालुओं को मिलेगी सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭गुहला-चीका

कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल की ओर से जनसेवा के तहत गांव चाबा के गुरुघर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए वॉटर कूलर स्थापित करवाया गया। उदघाटन अवसर पर अरदास के साथ वॉटर कूलर को संगत को समर्पित किया गया। इससे गुरुघर में आने वाले श्रद्धालुओं को अब स्वच्छ एवं शीतल पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद कार्यालय कैथल के प्रभारी रविंदर धीमान ने की। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि होशियार सिंह ने कहा कि गुरुघर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मत्था टेकने, कीर्तन, धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेने पहुंचते हैं। गर्मी के मौसम में शीतल पेयजल की आवश्यकता को देखते हुए सांसद नवीन जिंदल द्वारा वॉटर कूलर उपलब्ध करवाना सराहनीय कदम है। इस अवसर पर सांसद के गुहला प्रभारी कर्मबीर सिसोदिया, सरपंच एसोसिएशन गुहला के प्रधान एवं गांव शादीपुर के सरपंच अमरजीत सिंह, डॉ. बलराज सिंह, जगदीश, चरण सिंह, सुखदेव सिंह, जीता राम, जरनैल सिंह, महल सिंह, लक्खा राम सहित बड़ी संख्या में संगत उपस्थित रही।

सांसद का जताया आभार

भाजपा मंडल अध्यक्ष जोगा सिंह ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल क्षेत्र की जनता की आवश्यकताओं के प्रति हमेशा संवेदनशील रहते हैं। गुरुघर प्रबंधन समिति एवं ग्रामीणों ने सांसद नवीन जिंदल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरुघर सेवा, आस्था और सामाजिक समरसता का केंद्र है। यहां शीतल पेयजल की व्यवस्था होने से संगत को बड़ी सुविधा मिलेगी। सांसद कार्यालय कैथल के प्रभारी रविंदर धीमान ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल के नेतृत्व में कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में जनसुविधाओं के विस्तार, धार्मिक स्थलों के विकास तथा जनकल्याण के कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

नशा मुक्त रहने की ली शपथ

हरिभूमि न्यूज ⏭गुहला-चीका

एथलेटिक्स खेल नर्सरी, चीका में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 200 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. सोहन लाल जागड़ा ने खिलाड़ियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए स्वस्थ, अनुशासित और नशा-मुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं और खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नशे से पूर्ण दूरी बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान सभी खिलाड़ियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। खिलाड़ियों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहेंगे और अपने परिवार, मित्रों व समाज को भी नशा मुक्त बनाने के लिए जागरूक करेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ एथलेटिक्स कोच डॉ. सतनाम ने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली और अनुशासन ही एक सफल खिलाड़ी की पहचान है। उन्होंने खिलाड़ियों से समाज में सकारात्मक बदलाव के प्रेरक बनने का आह्वान किया।

गुहला-चीका। गुहला चीका की एथलेटिक्स खेल नर्सरी में खिलाड़ियों को नशा मुक्ति का संदेश दिया गया। फोटो: हरिभूमि

श्रीमद्भागवत भक्ति वैराग्य और त्याग का संगम

■ संसार रूपी भवसागर से पार होने का सबसे श्रेष्ठ साधन श्रीमद्भागवत का श्रवण

हरिभूमि न्यूज ⏭गुहला-चीका

श्री भवानी मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ के छठे दिन श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला, कंस वध और रुक्मिणी विवाह के दिव्य प्रसंगों का श्रवण कर धर्म लाभ प्राप्त किया। श्रीधाम वृंदावन से पधारी परम पूज्या देवी रक्षा सरस्वती ने कथा का रसपान कराते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और त्याग का अद्भुत संगम है। कलियुग में संसार रूपी भवसागर से पार होने का सबसे श्रेष्ठ साधन श्रीमद्भागवत का श्रवण एवं मनन है। कथा के शुभारंभ अवसर पर जिला पार्षद बलवान रांगा एवं बैशाखी राम जिंदल ने व्यासपीठ पर पहुंचकर आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा में प्रसाद सेवा गोयल सजावट केंद्र परिवार की ओर से की गई। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी के मंगल विवाह की मनोहारी झांकी सजाई गई। मुख्य यजमान पवन शर्मा ने परिवार सहित श्रीमद्भागवत पूजन किया। इस अवसर पर प्रधान बलबीर सैनी, राजीव शर्मा, कुलदीप माजरा, डॉ. रामकुमार शर्मा, मोतीराम गर्ग, कृष्ण धीमान, गुरबख्श सिंह, वैद्य सत्यनारायण, हरपाल शर्मा, सुभाष पाधा, रमेश मिगलानी, सुभाष शर्मा उर्फ गुगनी, सुरेश शास्त्री, शास्त्री सोमदत्त, संजीव कौशिक, मनींद्र शर्मा, हरभंस सिडा, गुरदीप ढांडा, दीपक सिंगला, हरजिंदर जांगड़ा, राजपाल रावीस, प्रवीण गर्ग, राजू बावा, राममेहर कौशिक, जसबीर, अजय भार्गव, गुरमीत, गुलाब सिंह सेवादार उपस्थित रहे।

गुहला-चीका। पूज्या देवी रक्षा सरस्वती प्रवचन करते हुए। फोटो: हरिभूमि

कल होगा हवन-यज्ञ

संस्था के सचिव हरपाल शर्मा ने बताया कि 29 जून को प्रातः हवन-यज्ञ के साथ कथा का समापन होगा। इसके उपरांत परम पूज्या देवी रक्षा सरस्वती महिलाओं को कलश यात्रा में उपयोग किए गए कलश वितरित करेंगी। साथ ही सात माखनचोर का ड्रॉ निकाला जाएगा तथा श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

वार्ड नंबर 8 में बंदरों के आतंक से लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭राजौंद

शहर के वार्ड नंबर 8 में इन दिनों बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे क्षेत्र के लोग खासे परेशान हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार बंदर दिन-रात झुंड बनाकर घरों की छतों पर डेरा जमाए बैठे रहते हैं और मौका मिलते ही घरों में घुसकर नुकसान पहुंचाते हैं। लोगों का कहना है कि बंदरों की संख्या इतनी अधिक हो गई है कि वे पूरे इलाके में खुलेआम घूमते नजर आते हैं। छतों पर रखे पानी के टैंक, सोलर सिस्टम और अन्य घरेलू सामान को बंदर नुकसान पहुंचा रहे हैं। कई बार बंदर कपड़े फाड़ देते हैं और खाने-पीने की चीजें उठाकर ले जाते हैं। बंदरों के डर से बच्चे और महिलाएं छतों पर जाने से घबराने लगी हैं। सुबह-शाम के समय जब लोग अपने दैनिक कार्यों के लिए छत पर जाते हैं, तब बंदरों के झुंड वहां पहले से मौजूद रहते हैं, जिससे किसी अनहोनी का खतरा बना रहता है। कई बार बंदर आक्रामक हो जाते हैं।

राजौंद। वार्ड नंबर 8 में घर की छत पर झुंड बनाकर बैठे बंदर। फोटो: हरिभूमि

चीका में मनाई डॉ. सूरज प्रकाश की जयंती

■ 10 जुलाई तक चलेगा परिषद का सेवा पखवाड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭गुहला-चीका

भारत विकास परिषद, चीका शाखा द्वारा परिषद के संस्थापक एवं राष्ट्रीय महासचिव डॉ. सूरज प्रकाश की 106वीं जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा अध्यक्ष कमल गोयल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद उपस्थित सदस्यों ने डॉ. सूरज प्रकाश के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर कमल गोयल ने कहा कि भारत विकास परिषद राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए समाज के सक्षम वर्ग के सहयोग से अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंद व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि परिषद की यह सोच और सेवा भावना ही उसे समाज में विशिष्ट पहचान दिला रही है। उन्होंने बताया कि परिषद का सेवा पखवाड़ा शुक्रवार से शुरू हो गया है, जो 10 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर डॉ. निधि बंसल, अतुल प्रकाश गर्ग, राकेश गोयल, अमित महाजन, पूर्व अध्यक्ष प्रेम पुनिया, महिला संयोजक सरिता भाटला, मुरारी लाल गुप्ता, रविंद्र गर्ग, गौरव गोयल, महेंद्र पाल गर्ग, नानक भारद्वाज, रमेश जिंदल एवं सतीश शर्मा व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गुहला-चीका। डॉ. सूरज प्रकाश की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते परिषद के पदाधिकारी एवं सदस्य। फोटो: हरिभूमि

भीषण गर्मी ने तोड़े रिकॉर्ड, उड़ रही धूल ने लोगों का किया जीना दूभर

राजौंद। क्षेत्र में पड़ रही भीषण गर्मी ने इस बार सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। तेज धूप और लू के थपेड़ों ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। दोपहर के समय बाजारों और सड़कों पर सन्नाटा पसरा नजर आता है, वहीं जरूरी काम से बाहर निकलने वाले गर्मी से बेहाल दिखाई दे रहे हैं। साथ ही सड़कों पर उड़ रही धूल ने लोगों की परेशानी को और बढ़ा दिया है। तेज हवाओं के कारण धूल के गुबार लगातार उड़ रहे हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। धूल के कारण लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है और आंखों में जलन की शिकायतें भी बढ़ गई हैं। लोगों ने प्रशासन से सड़कों पर नियमित पानी का छिड़काव करवाने और सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की है, ताकि लोगों को कुछ राहत मिल सके।

एसआईआर तय समय सीमा में मतदाता पुनरीक्षण कार्य पूरे करने के निर्देश

एईआरओ, तकनीकी स्टाफ को दिया प्रशिक्षण

■ नागरिकों की सुविधा का ख्याल करने की दी गई सलाह

हरिभूमि न्यूज ⏭कलायत

कलायत स्थित उपमंडल अधिकारी (ना.) सभागार में शनिवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से केंद्र स्तरीय अधिकारी (सीपीएलओ), सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) और तकनीकी स्टाफ के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में एसडीएम अजय हुड्डा द्वारा तय कार्य योजना अनुसार मतदाता सूची संबंधी कार्यों की प्रक्रियाओं, भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के विभिन्न चरणों की विस्तार से जानकारी दी गई।

प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान प्राप्त होने वाले दावे एवं आपत्तियों के निस्तारण, मतदाता सत्यापन, आवश्यक दस्तावेजों की जांच, ऑनलाइन पोर्टल एवं संबंधित सॉफ्टवेयर के संचालन, आंकड़ा प्रविष्टि, अभिलेख संधारण और तकनीकी समस्याओं के समाधान के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। साथ ही निर्वाचन कार्यों में पारदर्शिता, निष्पक्षता और समयबद्धता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए गए कि निर्वाचन प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जिम्मेदारी है। यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे हों तथा आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

कलायत। मतदाता सूची को लेकर आयोजित बैठक। फोटो: हरिभूमि

त्रुटिपूर्ण सूची तैयार करने में निभाएं भूमिका

एसडीएम अजय हुड्डा ने बताया कि कार्यक्रम में उपस्थित सभी केंद्र स्तरीय अधिकारी, सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी और तकनीकी स्टाफ ने सक्रिय भागीदारी करते हुए प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न तकनीकी एवं व्यावहारिक विषयों पर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों से अपेक्षा की गई कि वे प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान का प्रभावी उपयोग करते हुए आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को सफल, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। अधिकारियों ने विश्वास जताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के सफल संचालन में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा कोई विद्यार्थी

■ जागरूकता कार्यक्रम में जिंदल फाउंडेशन की छात्रवृत्ति योजना की दी गई जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭गुहला-चीका

जिंदल फाउंडेशन की ओर से संचालित छात्रवृत्ति योजना की जानकारी अधिक से अधिक विद्यार्थियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को हाइक ओवरसीज आईईएलटीएस अध्ययन केंद्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जय भगवान शर्मा, सलिन्द्र वाल्मीकि, ललित जिंदल और मनोज राणा ने विद्यार्थियों एवं संस्थान के शिक्षकों तथा कर्मचारियों को छात्रवृत्ति योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और इसके लाभों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सांसद नवीन जिंदल की प्रेरणा से संचालित जिंदल फाउंडेशन की छात्रवृत्ति योजना के तहत कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र की उन छात्राओं को 50 प्रतिशत तक छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है, जिन्होंने 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं तथा जिनके परिवार की वार्षिक आय तीन लाख रुपये से कम है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष सलिन्द्र वाल्मीकि ने कहा कि शिक्षा समाज की सबसे बड़ी शक्ति है और आर्थिक अभाव किसी भी प्रतिभाशाली विद्यार्थी की पढ़ाई में बाधा नहीं बनना चाहिए।

गुहला-चीका। हाइक ओवरसीज आईईएलटीएस अध्ययन केंद्र में जिंदल फाउंडेशन की छात्रवृत्ति योजना की जानकारी देते। फोटो: हरिभूमि

खबर संक्षेप

तीन अलग-अलग मामलों में 3 आरोपी गिरफ्तार

कैथल। अलग अलग 3 मामलों में 3 आरोपियों को काबू किया गया है। जिनके कब्जे से 7.30 ग्राम चिट्टा, 554 ग्राम गांजा फूल पत्ती तथा 5 बोतल हथकढ़ी शराब बरामद हुई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की चौकी अनाज मंडी प्रभारी एएसआई सुरेश कुमार अपनी टीम के साथ नशा तस्करों की धरपकड़ के लिए गश्त एवं संदिग्ध व्यक्तियों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें एक विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि कुलदीप निवासी सैंसी बस्ती, जाखोली अड्डा, कैथल गांजा बेचने का कार्य करता है। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सैंसी बस्ती के निकट रेलवे स्टेशन क्षेत्र में नाकाबंदी कर दी।

गेहूं सीजन के दो महीने बाद भी आढ़तियों को नहीं मिली आढ़त

पाई। गेहूं का सरकारी खरीद सीजन समाप्त हुए दो महीने से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन अनाज मंडी के आढ़तियों को अभी तक उनकी कमीशन (आढ़त) की राशि नहीं मिल पाई है। भुगतान में हो रही इस देरी को लेकर स्थानीय आढ़तियों में भारी रोष है। मंडी प्रधान ईश्वर सिंह गेली और पूर्व प्रधान रणधीर सिंह फौजी ने इस संबंध में सरकार और संबंधित विभागों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की है। मंडी प्रतिनिधियों ने प्रशासन से मांग की है कि आढ़तियों की रुकी हुई आढ़त का भुगतान जल्द से जल्द किया जाए।

बरसाती सीजन से पहले व्यवस्था जांचने फील्ड में उतरीं उपायुक्त

जिले की सभी ड्रेनों की समयबद्ध व नियमित तौर पर हो सफाई : डॉ. शर्मा

मानसून में गांवों व खेतों में उत्पन्न नहीं होनी चाहिए जलभराव की स्थिति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

डीसी डा. वैशाली शर्मा ने शनिवार को जिले की कई ड्रेनों का दौरा कर बरसाती सीजन के पानी निकासी के प्रबंधों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मानसून के मद्देनजर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट कहा कि बारिश के दौरान खेतों एवं गांवों में किसी भी कारण से जलभराव की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए, संबंधित अधिकारी इसके लिए समय रहते सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करें। डीसी ने शनिवार को बरसाती पानी निकासी व्यवस्था का निरीक्षण करने के लिए जुलाना के कई क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उनके साथ सिंचाई विभाग के एसई पुनीत राय, कार्यकारी अभियंता गिरधर व विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जींद। व्यवस्था का जायजा लेते हुए डीसी डा. वैशाली। फोटो : हरिभूमि

डीसी ने अपना निरीक्षण दौरा कालवा-किनाना ड्रेन के आरडी नम्बर 17000 से शुरू किया। इसके बाद कालवा-पड़ाना ड्रेन की आरडी नंबर 7000 का दौरा कर ड्रेन में उगी झाडियों की साफ.-सफाई करने व साथ लगते किनारों को उंचा रखने के निर्देश दिए। डीसी ने अपने दौरे के दौरान शामलों हैड पर स्थापित किये गए पम्प सेंटों का जायजा लिया और बारीकी से जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान डीसी ने ड्रेनों, नालों तथा जल निकासी तंत्र का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी ड्रेनों की समयबद्ध एवं नियमित तौर पर साफ.-सफाई कराई जाए ताकि बरसात के दौरान पानी का प्रवाह बाधित न हो।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसात के पूरे मौसम में जल निकासी व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी जाए इसके लिए किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी पम्पों पर बिजली या जरूरत के अनुसार अन्य संसाधन पर्याप्त मात्रा में होने चाहिए। दौरे के दौरान सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने डीसी को आश्वस्त करते हुए बताया कि शामलों पम्प हाउस पर बरसाती पानी निकासी के लिए 100-100 एचपी की 18 मोटरों के पम्प स्थापित किये गए हैं। जिनकी कैपेस्टि लगभग 360 क्यूसेक पानी निकालने की है। सभी मोटरों व पम्प सेंटों को दुरूस्त करवा लिया गया है।

नालों से गाद हटाकर जल निकासी को बनाएं सुचारू

उन्होंने कहा कि जहां भी गाद झाडियां अथवा अन्य अवरोध हैं, उन्हें तुरंत हटाकर जल निकासी व्यवस्था को पूरी तरह सुचारु बनाया जाए। डा. वैशाली शर्मा ने विशेष रूप से सिंचाई एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल निकासी के लिए लगाए गए सभी पंपों एवं उनकी मोटरों की तकनीकी जांच कर उन्हें पूरी तरह कार्यशील रखा जाए। किसी भी प्रकार की तकनीकी खराबी को तत्काल दूर किया जाए ताकि आवश्यकता पडने पर पंप बिना किसी बाधा के संचालित किए जा सकें। डीसी ने कहा कि खेतों में आवश्यकता से अधिक बरसाती पानी किसी भी स्थिति में नहीं ठहरना चाहिए। जलभराव से फसलों को नुकसान होने की आशंका रहती है, इसलिए जल निकासी व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशील एवं जलभराव संभावित क्षेत्रों की नियमित निगरानी करने तथा आवश्यकता पडने पर तत्काल राहत एवं निकासी कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा मानसून के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन एवं मशीनरी उपलब्ध रखें। संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों का लगातार निरीक्षण करते रहें और किसी भी समस्या की सूचना मिलते ही तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करें।

एमपीएचडब्ल्यू 5 को स्वास्थ्य मंत्री आवास पर करेंगे प्रदर्शन

कैथल। नारेबाजी कर रोष जताते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

- पोलियो कार्यक्रम के चलते तीन दिन के लिए रोका आंदोलन, उसके बाद तेज होगी तैयारियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

बहु उद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन ने आगामी पांच जुलाई के प्रस्तावित रोष प्रदर्शन की तैयारियों को तेज कर दिया है। एसोसिएशन की प्रदेश अध्यक्ष शर्मिला देवी ,महासचिव सहदेव आर्य,एवं प्रवक्ता संदीप कुंडू ने प्रदेश के 16 जिलों के किए गए दौरे के बाद जारी प्रेस बयान में बताया कि प्रदेश भर में कर्मचारियों में सरकार एवं विभाग की ढुलमुल रवैए के खिलाफ रोष है जो कि बड़े आंदोलन का रूप भी ले सकता है जनहित में पोलियो कार्यक्रम के चलते तीन दिन के लिए रोका गया है उसके बाद प्रदेश के बाकी जिलों में तैयारियों को ओर तेज करते हुए आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा। राज्य उपाध्यक्ष सुदेश रानी,वित्त सचिव धर्मबीर सिंह ने बताया कि प्रदेश का एम पी एच डब्ल्यू वर्ग अपने अधिकारों के प्रति सजग है तथा भारी उत्साह के साथ बढ़ चढ़ कर रोष प्रदर्शन में भाग लेंगे । राज्य उप प्रधान सुरेश कटारिया एवं संगठन सचिव सुरेश नम्बरदार ने कहा कि एमपीएचडब्ल्यू कर्मचारी 5 जूलाई को रेवाड़ी में स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के आवास पर कड़ा विरोध प्रदर्शन करेंगे।

लंबित मांगों को लेकर रोष

एसोसिएशन ने महानिदेशक कार्यालय की कार्यवाही पर मिलीजुली प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कुछ मांगो पर कार्य किया गया है लेकिन साथ ही शहरी क्षेत्र में आइपीएचएस के नॉर्म अनुसार पद स्वीकृत करते हुए नियमित भर्ती,पदनाम संशोधन करने, दो वर्ष का प्रोबेशन पूरा कर चुकी सभी एम पी एच डब्ल्यू फीमेल को कन्फर्म करने ,प्रोमेशनल स्केल जारी करने , तबादले खोलने ,वित्त वर्ष 2020-23 की बकाया एलटीसी प्रदान करने सहित अनेक मांगे महानिदेशक कार्यालय से संबंधित लंबित हैं जिनसे कर्मचारी वर्ग में भारी रोष है।

पूंडरी की बेटी अलीशा ने एशियाई कराटे चैंपियनशिप में गोल्ड जीतकर रचा इतिहास

- 55 किलो वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

पूंडरी क्षेत्र के गांव मोहना की होनहार बेटी अलीशा चौधरी ने इंडोनेशिया के बाली में आयोजित 22वीं एशियाई सीनियर कराटे चैंपियनशिप-2026 में महिला कुमिते (55 किलोग्राम) वर्ग का स्वर्ण पदक जीतकर भारत और हरियाणा का नाम पूरे एशिया में रोशन कर दिया। अलीशा इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला कराटे खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने

पूंडरी। अलीशा चौधरी को शुभकामनाएं देते हुए विधायक सतपाल जांबा।

फाइनल मुकाबले में जापान की रीना कोडो को 4-3 से हराकर इतिहास रचा। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद विधायक सतपाल जांबा ने अपने पूंडरी कार्यालय में अलीशा चौधरी से आत्मीय भेंट कर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया तथा स्वर्ण पदक जीतने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि अलीशा की यह उपलब्धि केवल पूंडरी या हरियाणा ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण ने देश की बेटियों के लिए नई प्रेरणा स्थापित की है। उन्होंने कहा कि आज बेटियां हर क्षेत्र में देश का गौरव बढ़ा रही हैं और अलीशा चौधरी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा लहराकर यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा को अवसर और परिश्रम का साथ मिले तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।

जिला खाद्य एवं सुरक्षा विभाग ने 20 लोगों को जारी किए दुकान लाइसेंस

जींद । जिला खाद्य एवं सुरक्षा विभाग द्वारा एक शिविर लगाकर लोगों को एफएसएसएआई के तहत रजिस्ट्रेशन किए गए। इसमें शहर के काफी लोगों ने अपने खाद्य पदार्थ शुरू करने या फिर अपनी दुकान शुरू करने के लिए आवेदन किए थे। ऐसे 20 लोगों को शनिवार को लाइसेंस जारी किए गए। जिला खाद्य एवं सुरक्षा अधिकारी डॉ. योगेश कादियान ने कहा कि लोगों तक सुरक्षित खाद्य पदार्थ पहुंचाने के लिए विभाग द्वारा लाइसेंस दिए जाते हैं। वहीं कोई भी व्यक्ति यदि अपना नया प्रोडक्ट शुरू करना चाहता है तो भी उसे नियमों का पालन करना होगा। इसके बाद ही उसे लाइसेंस जारी किया जाता है। इन नियमों के अनुसार खाद्य पदार्थ का सामान्य या प्रचलित नाम पैकेट के सामने साफ तौर पर लिखा होना चाहिए। पैकेट में खाद्य पदार्थ की शुद्ध मात्रा ए कुल वजन लिखना जरूरी होता है।

जींद। शिविर में भाग लेते हुए अधिकारी।

जूडो चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल विजेता सगनदीप कौर ढिल्लों का हुआ सम्मान

- प्रतिभा सम्मान अभियान के तहत किया गया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजौंद

शहर के किठाना मार्ग स्थित गोल्ड मेडल विजेता बेटी सगनदीप कौर ढिल्लों के आवास पर पहुंचकर कन्या शक्ति मिशन फाउंडेशन के चेयरमैन राजकुमार सिसला व उनकी टीम ने उन्हें सम्मानित किया। राजौंद की होनहार बेटी सगनदीप कौर ढिल्लों ने छत्तीसगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय जूडो चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीतकर न केवल राजौंद बल्कि जिला कैथल और पूरे

राजौंद। गोल्ड मेडल विजेता सगनदीप कौर ढिल्लों को उनके निवास पर सम्मानित करते कन्या शक्ति मिशन फाउंडेशन के पदाधिकारी।

हरियाणा का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर फाउंडेशन की टीम द्वारा "प्रतिभा सम्मान अभियान" के तहत सगनदीप कौर को फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया । चेयरमैन राजकुमार सिसला ने कहा कि आज का युवा हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहा है और समाज को उन पर गर्व है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करना ही इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है, ताकि अन्य बच्चे भी उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ सकें।

छात्रों की गिरफ्तारी, सरकार की तानाशाही का निंदनीय चेहरा : रिषिपाल

- पिछले नौ दिन से आमरण अनशन पर बैठे है अभ्यर्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

कांग्रेस जिला प्रधान रिषिपाल हैबतपुर ने कहा कि हरियाणा सरकार की कायराना हरकत शर्मनाक एवं निंदनीय है। रात के अंधेरे में चोरों की तरह अनशन पर शांतिपूर्ण ढंग से बैठे एचपीएससी छात्रों को गिरफ्तार करना सरकार की बौखलाहट और तानाशाही मानसिकता को दर्शाता है। पिछले करीब छह महीने से एचपीएससी भर्ती में 35 प्रतिशत क्राइटेरिया खत्म करने की मांग को लेकर धरने पर बैठे और पिछले 9 दिन से आमरण अनशन कर रहे

कांग्रेस जिलाध्यक्ष रिषिपाल हैबतपुर।

छात्रों को हरियाणा पुलिस ने आधी रात को जबरन उठाकर गिरफ्तार कर लिया। यह लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने बताया कि हरियाणा के युवा अपने हक के लिए शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे थे। सरकार बताये कि वो किसके दबाव में हरियाणा के युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रही है। नौ दिन से युवा भूखे, प्यासे अपनी मांग पर अड़े थे। कई छात्रों की तबियत बिगड़ गई। लेकिन सरकार को न तो उनकी सेहत की चिंता हुई न उनके भविष्य की।

जींद। विजेता पहलवानों को सम्मानित करते हुए पवन गर्ग।

सैनी ग्राउंड में चौथे विशाल दंगल में कार्तिक पहलवान ने जीता एक लाख का इनाम

जींद। जींद की पावन धरा पर चौथे विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन बतख चौक के निकट स्थित सैनी ग्राऊंड में किया गया। जिसमें प्रथम इनाम ईनाम एक लाख रुप की धन राशि का कार्तिक पहलवान मखाला ने जीता। उन्होंने भठिंडा के पहलवान अमनदीप को हराया। दूसरे स्थान पर रहे 71 हजार रुपये का पुरस्कार बादल पहलवान गतौली ने जसविंदर पहलवान दिल्ली को पटखनी देकर हासिल किया। इसी प्रकार तीसरा इनाम 51 हजार रुपये पर सेंटी पहलवान चीका ने साहिल पहलवान कैथल को हरा कर जीता। मुख्यअतिथि के तौर पर कांग्रेस नेता पवन गर्ग, समाजसेवी अतुल चौहान ने शिरकत की। जबकि कांग्रेस के जिला अध्यक्ष हैबतपुर रिषिपाल और वरदान अस्पताल की चेयरमैन समाजसेवी डा. मीना शर्मा रही। सभी गणमान्यों ने कुश्ती लडने आए पहलवानों का परिचय लिया।

एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने किया एंटी नारकोटिक पुलिस टीम को सम्मानित

कैथल। नशा तस्करों पर शिकंजा कसते हुए आरोपियों को काबू करके बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ जब्त करके तथा चीका चोरी की वारदात में उल्लेखनीय कार्य करने वाली एंटी नारकोटिक सैल टीम को एसपी मनप्रीत सिंह सूदन ने प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एंटी नारकोटिक सैल द्वारा गत दिनो नशा तस्करी के काई मामलो में आरोपियों को काबु करके नशीला पदार्थ बरामद करके नशा मुक्त हो जिला मुहिम में बेहतरीन कार्य किया गया था। इसके अतिरिक्त एएनसी टीम द्वारा चीका चोरी की वारदात को सुलझाने में भी अहम भुमिका निभाई गई है। एसपी द्वारा एंटी नारकोटिक सैल प्रभारी सब इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार, एसआई शुभकरण, एसआई बलराज, एएसआई जसमेर सिंह, एएसआई राजेश कुमार, एएसआई मंजीत, महिला एचसी सुमन, एचसी सुनील व

कैथल। एंटी नारकोटिक सैल पुलिस टीम को सम्मानित करते हुए एसपी मनप्रीत सिंह सूदन।

अन्य टीम मेंबर को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। एसपी ने कहा कि इस प्रकार की तत्परता ही पुलिस की वास्तविक पहचान है। निष्ठा पूर्वक डयूटी करके खाकी का मान-सम्मान रखने वाले पुलिस कर्मचारियों पर विभाग को गर्व है, तथा अन्य जवान इनसे प्रेरणा लेकर कर्तव्य पालना करें।

अब आयुष विभाग नहीं खेल विभाग के तहत होगा योग

- हरियाणा में 15 जुलाई से 15 अगस्त तक होगी प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

योग खेल का अंग होगा, इसे दूसरे खेलों की भांति सभी सुविधाएं प्राप्त होगी। अब यह आयुष विभाग नहीं खेल विभाग के अंतर्गत होगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की इस घोषणा का स्वागत जिला खेल योग एसोसिएशन द्वारा किया गया। हरियाणा योगासन एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. धर्मदेव विद्यार्थी की अध्यक्षता में आयोजित एक बैठक में जिला संगठन द्वारा मुख्यमंत्री का धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया। डा. धर्मदेव विद्यार्थी ने बताया कि

जुलाई के प्रथम सप्ताह में जिला यो गा स न चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए हरियाणा के प्रत्येक जिले में 15 जुलाई से 15 अगस्त तक प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। 15 अगस्त से 15 सितंबर तक राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। चेयरमैन डा. धर्मदेव विद्यार्थी तथा योग आयोग हरियाणा के अध्यक्ष और हरियाणा संगठन के अध्यक्ष डा. जयदीप आर्य ने बताया कि एशिया स्तरीय प्रतियोगिता शीघ्र ही दुबई में होने की संभावना है।

चार दिवसीय नि:शुल्क जैविक खेती एवं वर्मी कम्पोस्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

नरवाना। पंजाब नैशनल बैंक कृषक प्रशिक्षण केंद्र, सच्चा खेड़ा (जींद) द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के पुरुष एवं महिला किसानों के लिए 23 जून से 26 जून 2026 तक चार दिवसीय निशुल्क जैविक खेती एवं वर्मीकम्पोस्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथियों एवं केंद्र के निदेशक द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। यह कार्यक्रम भाकृअनुप- राष्ट्रीय भैंस अनुसंधान केंद्र (सीआईआरबी), हिसार की वित्तीय सहयोग द्वारा किया गया सात यह कार्यक्रम एससी/एसपी योजना के अंतर्गत किया गया सात कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक एवं टिकाऊ खेती की आधुनिक तकनीकों से परिचित कर उनकी आय में वृद्धि तथा खेती की लागत में कमी लाने के लिए प्रेरित करना था।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

जिले के 1,01,283 बच्चों को पिलाई जाएगी खुराक

आज से शुरू होगा पल्स पोलियो अभियान

जिलेभर में 619 पोलियो बूथ स्थापित, 27 मोबाइल और 41 ट्रांजिट टीमें रहेंगी तैनात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

जिले में 28 से 30 जून 2026 तक तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत जन्म से लेकर पांच वर्ष तक के लगभग 1,01,283 बच्चों को पोलियो रोधी दवा की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के सफल संचालन के लिए स्वास्थ्य विभाग ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। सिविल सर्जन डॉ. रेनू चावला ने बताया कि अभियान के पहले दिन रविवार, 28 जून को जिले के सभी गांवों और शहरी वार्डों में स्वास्थ्य केंद्रों, आंगनवाड़ी केंद्रों, स्कूलों तथा अन्य प्रमुख स्थानों पर 619 पोलियो बूथ स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा झुग्गी-झोपड़ियों, ईंट-भट्टों, निर्माणाधीन भवनों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में बच्चों तक पहुंचने के लिए 27 मोबाइल टीमें तैनात की गई हैं। वहीं बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जैसे ट्रांजिट स्थलों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के लिए 41 विशेष टीमें कार्य करेंगी।

अभियान में 106 सुपरवाइजर देंगे सेवाएं

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान 2400 स्वास्थ्य कार्यकर्ता और 106 सुपरवाइजर अपनी सेवाएं देंगे। अभियान के दूसरे और तीसरे दिन यानी 29 व 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर ऐसे बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी, जो पहले दिन किसी कारणवश छूट गए होंगे।

28 को बच्चों को पोलियो बूथ पर लेकर जाएं

डॉ. रेनू चावला ने कहा कि भारत को 27 मार्च 2014 को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा पोलियो मुक्त घोषित किया जा चुका है, लेकिन पड़ोसी देशों पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पोलियो वायरस की मौजूदगी के कारण सतर्कता बनाए रखना बेहद जरूरी है। इसलिए प्रत्येक बच्चे को हर बार पोलियो की खुराक अवश्य पिलाई जानी चाहिए। उन्होंने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की कि वे 28 जून को जन्म से पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को नजदीकी पोलियो बूथ पर अवश्य लेकर आएं। यदि बच्चे ने इस अभियान से पहले भी पोलियो की खुराक ली हो या वह हल्का बीमार हो, तब भी उसे पोलियो रोधी दवा अवश्य पिलाएं, ताकि वह इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित रह सके।

आज सब काम छोड़ बच्चे को बूथ पर पिलाएं दो बूंद जिंदगी की: सीएमओ

- जिले में 28 से 30 जून तक चलाया जाएगा अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

आज अभिभावक सब काम छोड़ कर सबसे पहले अपने बच्चों को बूथों पर ले जाकर पोलियो की खुराग अवश्य पिलाएं। 0 से पांच वर्ष के बच्चों को पोलियो जैसी घातक बीमारी से बचाने के लिए जिला में 28 से 30 जून तक पल्स पोलियो अभियान रविवार से शुरू होने जा रहा है। अभियान को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने सभी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। अभियान के तहत एक लाख 38 हजार 44 बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जानी है। पहले दिन बूथ पर तथा दूसरे और तीसरे दिन टीमें घर-घर पर पोलियो ड्रॉप पिलाने का काम करेंगी। ईंट भट्ठों, बाहर क्षेत्रों व कालोनियों में पोलियो की खुराक पिलाने के लिए 85 मोबाइल टीमों का भी गठन किया गया है। अभियान के अंतर्गत जिला में 812 बूथों बनाए गए हैं। जिन पर एक लाख 38 हजार 44 बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी। इसके अतिरिक्त अति संवेदनशील एरिया पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के लिए 85 मोबाइल टीम लगाई गई हैं।

सीएमओ डा. सुमन कोहली।

मन-जीवन को कर रहा अशांत
सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस

स्पेशल: वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे, 30 जून

आज के दौर में अधिकांश लोग किसी न किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं। लेकिन हाल के सालों में देखने में आ रहा है कि इन पर दिन में कई-कई बार आने वाले नोटिफिकेशंस से लोगों का मन-जीवन बेचैन और अशांत होता जा रहा है। इसके पीछे क्या वजहें हैं, इनका क्या प्रभाव पड़ता है और इनसे कैसे बच सकते हैं, आपको जरूर जानना चाहिए।

कवर स्टोरी / डॉ. मोनिका शर्मा

कभी किसी परिचित के सुंदर घर की तस्वीर तो कभी किसी फ्रेंड के विदेश घूम आने के अपडेट, वर्चुअल दुनिया में जुड़े किसी अनजान वर्चुअल मित्र ने अचानक अपना लुक बदल लिया, तो किसी के बच्चों की कमाल की उपलब्धियां। सब कुछ स्क्रीन के जरिए हम तक पहुंचता रहता है। हर उम्र के लोगों में लगातार सोशल मीडिया पर अपडेट रहने और दूसरों को अपडेट करने की सोच बढ़ रही है। इस वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के नोटिफिकेशन की टोन कई बार मन को बेचैन करने वाली दस्तक-सी लगने लगती है। दूसरों के लुक्स, करियर, महंगे शौक और एडवेंचरस ट्रिप्स को देखकर मन में कमतरी के भाव आने लगते हैं।

जबकि वास्तविकता यह है कि किसी के भी जीवन की हकीकत इतनी सुंदर-सहज नहीं होती है, जितनी सोशल मीडिया पर दिखती है। ऐसे में बनावटी-सजावटी आभासी दुनिया के बहकावे में आने के बजाय अपने मन-जीवन को साधना जरूरी है।

बढ़ने लगी है तुलनात्मक प्रवृत्ति

आज के दौर में स्क्रीन के जरिए दस्तक देता कंटेंट, हर उम्र के लोगों को कमतरी और बेहतरी के जाल में उलझा रहा है। शुभ कार्य हों या कोई व्यक्तिगत उपलब्धि, आभासी दुनिया में अजीब से नाप-तौल वाले मनोभावों से देखी, समझी और स्वीकारी जाने लगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लेकर फैमिली ग्रुप्स में शेयर की जाने वाली सूचनाओं और क्लिक्स तक, हर बात और जज्बात तुलना करने की सोच की ओर धकेल रहा है। इसके चलते मन में आने वाली अनचाही तल्खी, व्यावहारिक जिंदगी की भरपूर समझ होने के बावजूद, दिलो-दिमाग को बोझिल कर रही है। सुंदरता, सहृदयता और संपन्नता की जो चमक स्क्रीन पर तैरते अपडेट्स में दिखती है, वही जीवन का सच नहीं है, यह जानते-बूझते हुए भी रंग-रूप, कद-काठी और उपलब्धियों से लेकर खुशियों और उत्सवीय रंग-ढंग तक एक असंतोष की भावना पनप रही है। ध्यान रहे कि सोशल मीडिया के जरिए क्लिक भर में आप तक पहुंच जाने वाले कंटेंट से तुलना का भाव स्वयं यूजर्स में तो बढ़ ही रहा है। बाजार ने भी इसे बढ़ाया है क्योंकि यह भी एक तरह की मार्केटिंग स्ट्रेटेजी ही है।

गहरा होता है कमतरी का भाव

जाने-अनजाने लोगों के अपडेट्स देखकर पैदा हो रहा तुलना का भाव, खुद के जीवन में कमियां देखने को प्रेरित कर रहा है। इसके चलते हमारा मन रिश्तों, जीवनशैली और अपने हिस्से आए स्नेह-सम्मान की भी अनदेखी करने लगता है। नतीजतन जिंदगी की नेमतों को लेकर शुक्रिया कहने के भाव की जगह शिकायतों ने ले ली है। नोटिफिकेशन टोन के साथ पल-पल में अवतरित

होते संदेश, सूचनाएं, चित्र, असंतुष्टि भरी सोच और बेचैनी भी साथ लाते हैं। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि वर्चुअल दुनिया में अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और दूसरे जाने-अनजाने चेहरों के अपडेट्स हर उम्र के लोगों के लिए व्यक्तिगत जीवन में असंतुष्टि की बड़ी वजह बन रहे हैं। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन के जरिए अमूमन अपनों-परायों तक अपनी कमियां, कमजोरियां और दिल की कसक नहीं पहुंचाई जाती। यह जानते-समझते हुए भी दूसरों के चमकदार, सफल और सुखी दिखते जीवन की वर्चुअल आभा में खुद को कहीं कमतर महसूस करने का भाव पनपने लगता है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन के मुताबिक आमतौर पर सोशल मीडिया पर लोग अपने बारे में सकारात्मक जानकारी ही प्रस्तुत करते हैं। फिल्टर्स का उपयोग करके अपनी उपस्थिति को और प्रभावी बना देते हैं। इसके चलते यह लगने लगता है कि हमारे मित्र या संबंधी कितने सुंदर हैं! कितने सफल हैं! इससे कई बार ऐसा भी लगने लगता है कि हमारे अलावा सब के पास सब कुछ है, सब बहुत खुश और संतुष्ट हैं, जबकि यह एक आभासी सोच भर होती है।

खो रहीं सहज-सी खुशियां

लगातार मिलने वाले सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस के जरिए इंसानी व्यवहार और विचार में चाहे-अनचाहे स्क्रीन पर दिखी तस्वीरें, सूचनाओं और उपलब्धियों का ही लेखा-जोखा रहने लगता है। ऐसे में हम उस सुख को भी भूल जाते हैं, जो हमारी झोली में मौजूद होते हैं। इसकी वजह यह भी है कि वास्तविक दुनिया में तुलना करने के दायरे में बहुत कम लोग शामिल होते हैं। सोशल मीडिया का डिजिटल यूनिवर्स, दूसरों के साथ तुलना करने की स्थितियों को कई गुना बढ़ा देता है। समझना जरूरी है कि दूसरों की जिंदगी के वर्चुअल अपडेट्स में दिखने और होने के फर्क को समझते हुए अपने जीवन की सहजता को बनाए रखिए। अपनी खुशियों को जीने से दूरी मत बनाइए। *

सही नहीं सबका पीछा करना

दूसरों के मीडिया अपडेट्स के चलते मन में आ रही खिन्नता लोगों को उनका फॉलोअर बना देती है। हम हरदम यह जानने की कोशिश में लगे रहते हैं कि उनके ताजा अपडेट्स क्या हैं? आज उनकी क्या गतिविधियां हैं? अन्य लोग उनको कैसे और कितनी सराहना कर रहे हैं? दूर बैठे लोगों की जिंदगी का पीछा करने की सोच से ऐसी बातों के चलते खुद आपके जज्बात बदलने लगते हैं। मन-जीवन में असंतोष भरी स्याह उदासी जगह बना लेती है। यहां तक कि ईर्ष्या का भाव भी पनपने लगता है। सोचने वाली बात यह है कि यह सब होने की कोई वास्तविक वजह ही नहीं होती है। सोच-समझकर दी गई जानकारियां और बना-संवारकर साझा की गई तस्वीरें लोगों को हैरान-परेशान करती हैं, जबकि खुद उनके ही द्वारा साझा की जा रही सामग्री के इतर उनके जीवन की असलियत का दूसरों को कोई अंदाजा ही नहीं। ऐसे में यह आदत बेवजह आपकी ऊर्जा और समय खपाने लगती है। सोशल मीडिया का उपयोग यूजर्स जिस इरादे से करते हैं, उनके मन-मस्तिष्क पर वैसा ही असर पड़ता है। बिना सोचे-समझे दूसरों के अपडेट्स के इंतजार में स्क्रीन स्क्रॉल करने से अवसाद और घबराहट पैदा होती है। जिन लोगों के अपडेट्स मन में भटकाव या नकारात्मक भाव लाते हैं, उन्हें अनफॉलो कीजिए। चिंतित और उदास महसूस करवाने वाले कंटेंट से दूरी बनाएं। वर्चुअल दुनिया हो या असल संसार औरों से ज्यादा अपनी जिंदगी में रुचि रखिए।

भारत के सरकारी स्पेस इंस्टीट्यूट इसरो की उपलब्धियां तो जगजाहिर हैं ही, अब इसी के नक्शेकदम पर चलते हुए कई स्पेसटेक निजी कंपनियां भी देश-दुनिया में अपनी धाक जमा रही हैं। स्पेसटेक के क्षेत्र में नित नई ऊंचाई हासिल कर रही देश की प्राइवेट स्पेसटेक कंपनियों की अचीवमेंट पर एक नजर।

अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां छू रहीं
देश की निजी स्पेसटेक कंपनियां

अचीवमेंट
संजय श्रीवास्तव

हाल में 'गैलेक्सआई' द्वारा मिशन दृष्टि नामक दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह सफलतापूर्वक लॉन्च करने के बाद दुनिया भर की मीडिया में भारत की निजी स्पेस कंपनियों की कम लागत के साथ तकनीकी दक्षता तथा इस आधार पर वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में उनकी तीव्र बढ़त की चर्चा हो रही है।

गैलेक्सआई ने रचा इतिहास: जब भारत ने 'मिशन दृष्टि' के तहत 190 किलो वजनी दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया, तब बहुतों ने गैलेक्सआई का नाम पहली बार सुना। देश ने स्पेस तकनीकी क्षमता का लोहा वैश्विक स्तर पर मनवाया हो और खबरों में इसरो की जगह देश के सबसे बड़ा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह बनाने वाली किसी ऐसी निजी कंपनी का नाम सुर्खियों में शामिल हो, जिसके अस्तित्व में आए महज पांच साल हुए हैं, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इतने कम समय में यह अनूठी सफलता हासिल कर इसने बता दिया है कि भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की प्रगति कितनी तेज गति से हो रही है।

बहुपयोगी है इसकी तकनीक: गैलेक्सआई द्वारा लांच मिशन दृष्टि की ऑप्टोसार तकनीक में इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल यानी ईओ और सिंथेटिक, पर्चर रडार या एसएआर सेंसर को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ा गया है। इस संयोजन के कारण यह उपग्रह हर मौसम और दिन-रात में डेटा संग्रह करने में सक्षम है। यह क्षमता अब तक सीमित देशों या अलग-अलग प्रणालियों में बंटी हुई थी, जबकि भारत ने इसे एकीकृत रूप में प्रस्तुत किया है। वैश्विक संदर्भ में देखें तो अमेरिका, चीन और कुछ यूरोपीय देश पृथ्वी अवलोकन में अग्रणी रहे हैं, लेकिन रणनीतिक दृष्टि से 'गेम चेंजर' ऑप्टोसार तकनीक जैसी एकीकृत प्रणाली भारत को तकनीकी बढ़त देती है। यह उपग्रह सेना को डेढ़ मीटर के दायरे में सीमा पार की सटीक जानकारी देगा। कृषि मॉनिटरिंग, आपदा प्रबंधन, तटीय सुरक्षा और शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता व्यापक है। बाढ़ या चक्रवात के समय यह त्वरित और सटीक डेटा निर्णय लेने की क्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है। इस प्रकार 'मिशन दृष्टि' ड्यूल-यूज टेक्नोलॉजी का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिससे नागरिक और सैन्य दोनों लाभ एक साथ प्राप्त होंगे।

कई और कंपनियां भी हैं एक्टिव: गैलेक्सआई तो महज एक उदाहरण है, देश में इसरो के साथ मिलकर काम करने वाली कॉमर्शियल स्पेस इंडस्ट्री स्टैब्लिश हो चुकी है। अनुमान है कि फिलवक्त निजी क्षेत्र में 400 स्पेसटेक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। 150 से ज्यादा कंपनियां छोटे उपग्रह, लॉन्च व्हीकल्स, अर्थ ऑब्जर्वर और एआई एनालिटिक्स आदि पर शानदार काम कर रही हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस, जिसने निजी क्षेत्र का पहला सफल रॉकेट विक्रम एस. बनाया और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग में वैश्विक पहचान बनाने वाली पिक्सेल कंपनी से सभी परिचित हैं। अग्निकुल कॉस्मॉस, जो थ्री-डी प्रिंटेड इंजन अग्निलेट का निर्माण कर सुर्खियों में आई थी, अब उपग्रहों के लिए स्पेसएक्स की स्पेस बस की अवधारणा से उलट एक स्पेस 'टैक्सी' बनाना चाहती है। थ्री-डी प्रिंटरों का उपयोग करके, यह फॉलकन 9 से छोटे और दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट बनाने की सोच रहा है, जिन्हें ग्राहक की इच्छानुसार कहीं से भी लॉन्च किया जा सकता है और उनके उपग्रह को ठीक उसी कक्षा में सटीकता से स्थापित किया जा सकता है, जिसकी उसे जरूरत है। मुमकिन है कि इस साल के अंत तक वह लक्ष्य पा लें। दिगांत्रा कंपनी एक कक्षीय हवाई-यातायात नियंत्रक के रूप में काम कर रही है, जो विभिन्न कंपनियों के उपग्रहों के अंतरिक्ष मलबे से टकराने के जोखिम की निगरानी में मदद करती है।

हो रहा वैश्विक प्रसार: देश की ये स्पेसटेक कंपनियां देश से बाहर भी अपनी धाक जमा रही हैं। आज पिक्सेल नासा के साथ डेटा साझेदारी कर रही है, तो स्काईरूट अंतरराष्ट्रीय ग्राहक लॉन्च सेवाएं दे रही है और ध्रुव स्पेस ग्लोबल सैटेलाइट सेवाओं में आगे है। इसी तरह तमाम निजी स्पेस कंपनियां विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रही हैं यानी शोधरत हैं। भारतीय प्राइवेट स्पेस कंपनियों की बढ़ती प्रसिद्धि के पीछे कारण यह है कि भारतीय स्पेसटेक कंपनियों का मॉडल 'कम लागत पर उच्च-दक्षता नवाचार' पर आधारित है। स्पेस टेक की दिशा में भारत अब 'सेवा प्रदाता' से 'तकनीक प्रदाता' बन रहा है। इसीलिए उम्मीद की जा रही है कि भारतीय स्पेसटेक व्यापार 2030 तक 40 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। *

गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

भूल गए हैं लोग सलीका

भूल गए हैं लोग सलीका आमंत्रण का,
भाव नहीं दिखता आंखों में अपनेपन का।
भरमाने वाले पेड़ों की भीड़ लगी है,
मोल नहीं होता कानन में अब चंदन का।
याद किसी की आने पर सर दीवारों से
टकराए तो दोष नहीं होता दरपन का।
इकदिन उम्र ढला करती है सबकी जग में,
धीरे-धीरे रंग उतरता है आनन का।
साथ न हो गर मन का मीत सफर में 'नवरंग'
लगने लगता है हर मौसम फिर बेमन का।

व्यंग्य / सूर्यदीप कुशवाहा

मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है।

शादी का झमेला

आजकल समाज में शादी-ब्याह केवल दो आत्माओं का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों के बैंक बैलेंस, प्रतिष्ठा और धैर्य की परीक्षा का महायज्ञ बन गया है। यह वह अवसर होता है, जब एक अदना-सा इंसान अचानक शादी समारोह प्रबंधक बन जाता है और अपनी सारी जमापूंजी, साख और यहां तक कि भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए रखी गई पूंजी भी एक रात के दिखावे में झोंक देता है।

समारोह में दुल्हन को इतना पेंट किया जाता है कि पेंट किया हुआ घर भी फीका दिखने लगता है। चेहरे पर पुताई की इतनी परतें होती हैं कि अगर दुल्हन को छींक आ जाए, तो आस-पास के लोग उस गुबार से लाल हो जाएं। इसे ब्राइडल ग्लो कहा जाता है, जो सुबह होते ही वॉटरप्रूफ न होने की स्थिति में बह जाता है। आम धारणा है कि दुल्हन का लहंगा भी उतना ही भारी होना चाहिए, जितना दुल्हन के पिता का सिर कर्ज के बोझ से भारी हो जाता है।

शादी समारोह अब रिश्तों का उत्सव कम और कॉम्पिटिशन ज्यादा बन गया है। पड़ोसी की बेटी की शादी में पचास पकवान थे, तो हमें शुभ इक्यावन करने ही होंगे। चाहे इसके लिए पिता को क्यों न बैंक से लोन लेना पड़े। लगन के इस मौसम में सबसे ज्यादा प्रभाव उस मध्यमवर्गीय पिता पर होता है, जो तीन घंटे के दिखावे के लिए तीस साल की कमाई स्वाहा कर देता है। मेहमानों को खिलाने के लिए मेनू में तरह-तरह के व्यंजन होते हैं, जिसमें से अधिकतर मेहमान केवल वही स्पेशल डिश खाते हैं, जो उनके घर में नहीं बनते हैं। मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है। यह ऐसा मेला है, जहां रिश्तेदार यह देखने आते हैं कि हलवाई ने पनीर की सब्जी में पनीर डाला था या सिर्फ ग्रेवी? वास्तव में शादी में आए मेहमानों का मुख्य उद्देश्य दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देना नहीं, बल्कि समारोह में कमियां उघाड़ना होता है। बिना बात नाराज होने वाले दूल्हे के फूफाजी अगर पनीर के चार टुकड़े खा लें तो यह उनकी दयालुता मानी जाती है। ये वही लोग होते हैं, जो अपनी बेटी की शादी में सबसे कंजूसी करते हैं, लेकिन दूसरे की शादी में फाइव स्टार होटल जैसी सुविधा चाहते हैं। इनके लिए शादी एक फ्री फूड फेस्टिवल होता है, जहां वे वीआईपी बन अपनी पसंद का खाना न मिलने पर दुल्हन के पिता को कोस और लताड़ सकते हैं। लेकिन समारोह का असली मजा या सजा सड़क पर बारात के रूप में मिलता है। डीजे वाले बाबू चाहे कैसा भी गाना बजाएं, बारातियों को तो बस वही एक स्टेप आता है-नागिन डांस। ऐसा लगता है जैसे सांपों ने पूरी बारात को डस लिया हो। दूल्हा घोड़ी पर बैठा ऐसे मुस्कुराता है, जैसे उसने देश के लिए स्वर्ण पदक जीता हो, जबकि सच्चाई यह है कि वह कुछ ही देर में स्वतंत्रता से परतंत्रता की ओर कदम बढ़ाने वाला होता है।

हर कोई चाहता है कि उसकी शादी यादगार हो। शायद इसीलिए आज के दौर में शादी समारोह समाज के सामने अपनी औकात बताने का एक जरिया बन गया है। शादी के बाद दूल्हा-दुल्हन शान से नई कार में घूमते हैं और पीछे दुल्हन के पिता उस कार की ईएमआई भरते हैं। इसे ही लड़की का बाप कहते हैं। *

पुस्तक चर्चा / मेनका त्रिपाठी

संवेदना-संघर्ष का कथालोक

हाल में प्रकाशित हुआ विक्रम सिंह का कहानी-संग्रह 'आवारा अदाकार' समकालीन जीवन की जटिलताओं, विडंबनाओं और मानवीय संघर्षों के दस्तावेज की तरह है। उनकी कहानियों में एक ओर यथार्थ की खुरदुरी जमीन दिखाई देती है, तो दूसरी ओर कल्पना की ऐसी ऊंचाई भी, जो साधारण जीवन को अर्थपूर्ण बना देती है। यही कारण है कि उनकी कहानियां केवल घटनाओं का विवरण नहीं लगतीं, बल्कि पाठक के भीतर संवेदना और विचार दोनों को जगाती हैं।

लेखक ने खाड़ी देशों में संघर्षरत मजदूरों की पीड़ा, कोरोना काल की त्रासदी, बेरोजगार युवाओं की बेचैनी, इंटरनेट ठगी और आभासी रिश्तों के खोखलेपन जैसे समकालीन विषयों को अत्यंत संवेदनशीलता से उठाया है। वे केवल दुख की दास्तां नहीं सुनाते, बल्कि जीवन की कठोर परिस्थितियों के बीच मनुष्य की जिजीविषा और छोटे-छोटे सुखों की तलाश को भी रेखांकित करते हैं। उनकी भाषा सहज, प्रवाहपूर्ण और आज के जीवन के जीवंत मुहावरों से भरपूर है। संवादों में स्वाभाविकता है, जिससे पात्र पाठक के बेहद करीब आ जाते हैं। हालांकि, विविध विषयों के कारण कहीं-कहीं कथ्य का हल्का बिखराव दिखाई देता है, फिर भी उनकी रचनात्मक ईमानदारी और मानवीय दृष्टि इस कमी को ढंक लेती है। *

पुस्तक: आवारा अदाकार (कहानी संग्रह), **लेखक:** विक्रम सिंह,
मूल्य: 250 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

टूरिस्ट प्लेसेस / समीर चौधरी

बाली-मालदीव जैसे ही अमेजिंग हैं

ये भारतीय द्वीप-समुद्र तट

खूबसूरत समुद्र तट और द्वीपों का शानदार नजारा देखने के लिए अनेक टूरिस्ट, बाली या मालदीव का रुख करना पसंद करते हैं। जबकि अपने देश भारत में भी कुछ ऐसे द्वीप और समुद्र तट मौजूद हैं, जो किसी मायने में बाली-मालदीव से कम नहीं हैं। कौन से हैं ये अमेजिंग टूरिस्ट प्लेसेस और क्या हैं इनकी खासियतें, जानकर आप भी इनका दीदार करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे।

मिनी मालदीव जैसा तर्कारली-मालवण, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के कोंकण तट पर तर्कारली व मालवण को महाराष्ट्र का मिनी मालदीव भी कहा जाता है। दरअसल, यहां का साफ पानी पर्यटकों का मन मोह लेता है। सिंधुदुर्ग जिले में स्थित यह तट सी बीचेज, शांत बैकवाटर्स के लिए जाना जाता है। यहां स्कूबा डाइविंग, स्नोरकेलिंग या पैरासेलिंग जैसे वाटर स्पोर्ट्स और एक्टिविटीज बहुत कम खर्च में उपलब्ध हैं। तर्कारली में आपको स्थानीय कोंकणी संस्कृति देखने को मिलेगी। सिंधुदुर्ग किले में बोट राइड्स का आनंद लिया जा सकता है। यहां के स्थानीय रेस्तराओं में मालवणी सीफूड थाली का लुत्फ उठाया जा सकता है। यहां पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कुदाल और सिंधुदुर्ग हैं। यह स्थल गोवा एयरपोर्ट से कुछ ही घंटों के फासले पर है। *

शांत समुद्री किनारे वाला स्वराज द्वीप, अंडमान

स्वराज द्वीप (पुराना नाम-हेवलॉक द्वीप) आपको जीवंत ट्रॉपिकल द्वीप का अनुभव प्रदान करता है। यह अंडमान व निकोबार द्वीप समूह का हिस्सा है और अपने शानदार सी बीचेज के लिए विख्यात है। यहां गोताखोरी का आनंद खूब लिया जाता है। यहां जंगलों से भरे समुद्र के किनारे हैं और वातावरण बिल्कुल शांत रहता है। इस द्वीप का मुख्य आकर्षण राधानगर बीच है, जो अपने सफेद रेत के कारण एशिया के सबसे आकर्षक सी बीचेज में गिना जाता है। यहां डूबते हुए सूरज का नजारा देखने लायक होता है। पर्यटक यहां विभिन्न वाटर स्पोर्ट्स का भी मजा ले सकते हैं। यहां जाने का सबसे आसान रास्ता यह है कि पोर्ट ब्लेयर के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर फ्लाइट से उतरने के बाद स्वराज द्वीप के लिए फेरी ले ली जाए, जो डेढ़ से ढाई घंटे के बीच में आपको द्वीप पर पहुंचा देगी। *

पर्यटकों-योगप्रेमियों के लिए जन्नत के जैसा गोकर्ण, कर्नाटक

कर्नाटक में स्थित गोकर्ण, दिलकश तटीय आकर्षण से आध्यात्मिकता का मिलन कराता है। यहां महाबलेश्वर मंदिर साल भर भक्तों को आकर्षित करता है और शांत बीच जैसे ओम, कुड्ले व हाफ मून पर्यटकों और योग प्रेमियों के लिए जन्नत हैं। यहां आप चट्टानों के पास वाकिंग, बीचसाइड कैफे में खाने-पीने के साथ वाटर स्पोर्ट्स का आनंद ले सकते हैं। अरब सागर के किनारे रिलैक्स भी कर सकते हैं। गोकर्ण का ग्रामीण एहसास इसे और अनोखा बना देता है। *

बाली के सर्फ-टाउन जैसा नजारा वर्कला, केरलम

जो पर्यटक बाली की सर्फ-टाउन एनर्जी से आकर्षित होते हैं, उन्हें वर्कला में लगभग वही वातावरण मिलेगा। यह केरलम के दक्षिणी तट पर स्थित है। यह टाउन लाल चट्टानों के इर्द-गिर्द बसा हुआ है, जहां के होमस्टे से अरब सागर का नजारा मिलता है। उत्तरी चट्टान क्षेत्र, समय गुजारने के लिए सबसे अच्छी जगह है। यहां स्मूदी कैफे, सफर स्कूल, आयुर्वेदिक मसाज केंद्र और रूफटॉप स्पॉट्स हैं, जहां शाम गुजारते हुए आनंद आ जाता है जो रात तक जारी रहता है। सर्फिंग वर्कला की पहचान बन गई है। यहां आने वाले पर्यटक बाली की तरह ही सप्ताह भर का सर्फ व स्टे पैकेज लेते हैं। यहां तक पहुंचने के लिए करीबी रेलवे स्टेशन वर्कला सिवगीरी है। *

मालदीव का एहसास कराता लक्षद्वीप

भारत में मालदीव से सबसे अधिक मिलती-जुलती जगह लक्षद्वीप है। छोटे-छोटे कोरल द्वीप, नीले रंग के शानदार शेड्स में छोटे-छोटे लगून और भीड़-भाड़ से दूर सफेद रेत के समुद्र तट। ये सब समानताएं एकदम मालदीव में होने का एहसास कराती हैं। अरब सागर में केरलम के तट पर फैला हुआ लक्षद्वीप 36 कोरल द्वीपों से बना हुआ है, हालांकि इनमें से कुछ द्वीप ही पर्यटकों के लिए खुले हुए हैं। अगत्ती, बंगाराम और थिन्नाकारा द्वीपों पर लोग अधिक जाना पसंद करते हैं, विशेषकर वे टूरिस्ट, जो शांत, एकांत में स्टे को प्राथमिकता देते हैं। यहां आप कोरल रीफ पर स्नोरकेलिंग, शांत लगूनों में कयाकिंग, स्कूबा डाइविंग के जरिए फिश के साथ गोता लगाते हुए या समुद्र के किनारे चहलकदमी करने का आनंद ले सकते हैं। लक्षद्वीप पहुंचने के लिए अगत्ती मुख्य प्रवेश द्वार माना जाता है क्योंकि द्वीपों के इस समूह में केवल यहीं पर एकमात्र एयरपोर्ट है। कोच्ची से यहां पहुंचने में लगभग 90 मिनट की हवाई यात्रा करनी होती है। *

अनिश्चित परिस्थितियों में ऐसे रहें आर्थिक रूप से सुरक्षित

अवेयरनेस / शिखर चंद जैन

हालांकि ईरान-अमेरिका में अभी युद्ध विराम चल रहा है, लेकिन अभी भी परिस्थितियां अनिश्चित बनी हुई हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में आर्थिक परिदृश्य क्या होगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। इसलिए समझदारी इसी में है अपनी आर्थिक योजनाएं समझदारी से बनाई जाएं। आपके लिए उपयोगी सलाह।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की हालिया रिपोर्टों और कई अर्थशास्त्रियों के अनुसार, मध्य-पूर्व में हुए युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है। अगर आने वाले दिनों में शांति बरकरार रहती है तो भी आर्थिक दशा पहले जैसी होने में कई महीने से लेकर कुछ साल लग सकते हैं। ऐसे में व्यक्तिगत आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय स्थिरता के लिए कुछ बातों पर ध्यान देना जरूरी है।

मुद्रास्फीति का प्रभाव: युद्ध और आपूर्ति श्रंखला में रुकावटों के कारण ऊर्जा, खाद्य और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी का रुख है। आमदनी का बड़ा हिस्सा खर्च होने से बचने के लिए बजट में कटौती और गैर-जरूरी खर्चों को रोकना जरूरी है।

इमरजेंसी फंड: आर्थिक मंदी या नौकरी के संकट के समय कम से कम 6 से 12 महीने का मासिक खर्च इमरजेंसी फंड में रखना चाहिए। इसे आसानी से निकाले जा सकने वाले साधनों या सेविंग एकाउंट में रखना बहुत उपयोगी होता है।

सुरक्षित निवेश: संकट के समय शेयर बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव आते हैं। जैसा पिछले तीन महीने तक लगातार चले युद्ध के दौरान हम सबने देश-दुनिया में देखा। ऐसे में वित्तीय सलाहकार गोल्ड या सॉवरेन बॉन्ड जैसे सुरक्षित और स्थिर निवेश विकल्पों को पोर्टफोलियो का हिस्सा बनाने की सलाह देते हैं।

लोन-ईएमआई का प्रबंधन: बढ़ती ब्याज दरों के कारण लोन की किस्तें बढ़ सकती हैं। इसलिए सबसे पहले महंगे कर्ज (जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का बकाया) को चुकाना चाहिए ताकि मासिक बोझ कम हो सके। इससे आप काफी राहत महसूस करेंगे।

स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग: वैश्विक तनाव के कारण विदेशों से आयातित सामानों की कीमत और उपलब्धता प्रभावित हो जाती है। साथ ही देश की मुद्रा भी प्रभावित होती है। इसलिए अपने दैनिक जीवन और व्यापार में स्थानीय उत्पादों का उपयोग बढ़ाना सुरक्षित रहता है। इसलिए देश में बनने वाली चीजें ही खरीदें।

आय के नए स्रोत अपनाएं: नौकरी जाने से होने वाले संकट से बचने के लिए स्किल्स को अपग्रेड करते रहें और फ्रीलांसिंग, निवेश या ऑनलाइन माध्यमों से आय के अतिरिक्त स्रोत बनाने पर ध्यान दें, ताकि आय का एक स्रोत बाधित हो तो दूसरे का सहारा मिले।

महंगी देनदारियों से छुटकारा पाएं: हाई इंट्रेस्ट वाले लोन, जैसे क्रेडिट कार्ड का बकाया या पर्सनल लोन में आपकी मेहनत की कमाई का एक बड़ा भाग खर्च होता है और आपकी बचत कमजोर होती है। ऐसे में आप इन उच्च ब्याज वाले कर्ज का भुगतान जल्द से जल्द करें। इससे जो पैसा आप ब्याज बचाने में लगाते हैं, उसे रिटायरमेंट फंड में निवेश किया जा सकता है।

पर्याप्त बीमा कवर करें: अचानक कोई बीमारी या दुर्घटना होने पर किसी पर भी भारी आर्थिक बोझ पड़ जाता है। इससे राहत के लिए टर्म लाइफ इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसीज जरूर लेना चाहिए।

समय के साथ रिटायरमेंट फंड बढ़ाएं: महंगाई दर समय के साथ पैसे के मूल्य को कम करती है। आपकी लाइफस्टाइल और खर्च रिटायरमेंट के समय तक बढ़ जाएंगे। इसलिए अपनी रिटायरमेंट योजना की नियमित रूप से समीक्षा करें (कम से कम सालाना)। जैसे-जैसे आपकी इनकम बढ़ती है (वेतन वृद्धि, बोनस), अपने मंथली रिटायरमेंट इन्वेस्टमेंट फंड को भी बढ़ाएं।

कहने का सार है कि इस दौर में सही इंवेस्टमेंट, सेविंग्स और बजट से ना केवल आपको फाइनेंसियल सिक्योरिटी मिलेगी, बल्कि फ्यूचर की कई परेशानियों से भी बचा जा सकता है। *

(वित्तीय सलाहकार प्रदीप अग्रवाल और चार्टर्ड एकाउंटेंट शुभम तोदी से बातचीत पर आधारित)

प्रकृति / अंजू जैन

दुनिया की सबसे खूबसूरत नदियां

देश-दुनिया में अनेक ऐसी नदियां हैं, जो अपनी विविध उपयोगिताओं के साथ-साथ अपने अद्भुत सौंदर्य के लिए भी जानी जाती हैं। विश्व की कुछ सबसे खूबसूरत नदियों के बारे में जानिए।

नदियां इस धरती पर मानव सभ्यता के विकास का केंद्र रही हैं। इसके अलावा यातायात का अनूठा मार्ग होने के साथ ही ये किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। इसके अलावा कई शहरों में पेय जल की आपूर्ति और सिंचाई के लिए भी नदियों का उपयोग सदियों से होता आ रहा है। इन खूबियों के अलावा देश-दुनिया भर में कई नदियां अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक महत्व और अद्भुत पारिस्थितिकी के लिए भी जानी जाती हैं।

कानो क्रिस्टेलस कोलंबिया: कोलंबिया के मेटा प्रांत में सेरानिया-डे ला मैकेरेना नेशनल पार्क में स्थित यह नदी बेहद खूबसूरत और जादुई लगती है। यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और रंग बदलने की क्षमता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। कानो क्रिस्टेलस की यात्रा आपको प्रकृति के बिल्कुल करीब ले जाती है और यह ईको-टूरिज्म का एक बेहतरीन उदाहरण है। इसे पांच रंगों की नदी भी कहा जाता है। पानी का रंग बदलने का मुख्य कारण नदी में मौजूद मैक्रेनिया क्लेविगेरा नामक शैवाल हैं। बारिश के मौसम में जब इनको सही धूप और पानी मिलता है, तो ये चमकीले लाल और अन्य रंगों में खिल जाते हैं। इन्हीं के कारण पानी के नीचे लाल, पीला, हरा, नीला और काला रंग दिखाई देता है। इसीलिए कानो क्रिस्टेलस नदी को लिक्विड रेनबो यानी तरल इंद्रधनुष भी कहते हैं। यह अद्भुत नजारा मुख्य रूप से जुलाई से नवंबर के बीच (वर्षा ऋतु के दौरान) दिखाई देता है।

ली नदी, चीन: चीन की 'ली' नदी के आस-पास स्थित नुकीले चूना पत्थर के पहाड़ इसे किसी पारंपरिक चीनी पेंटिंग जैसा दृश्य प्रदान करते हैं। गुइलिन से यांग्शुओ तक बहने वाली यह नदी चूना पत्थर के ऊंचे पहाड़ों के बीच से गुजरती है। यह दृश्य इतना आइकॉनिक है कि इसे चीन के 20 युआन के नोट पर भी दर्शाया गया है। सदियों से इस नदी ने चीनी चित्रकारों और कवियों को प्रेरित किया है।

सोका नदी स्लोवेनिया: यह नदी अपनी शुद्धता और पन्ना जैसे हरे रंग के कारण प्रसिद्ध है। इसे प्यार से 'पन्ना ब्यूटी' कहा जाता है। यह नदी आल्प्स पर्वतमाला से निकलती है और अपनी पूरी लंबाई के दौरान अपना जादुई रंग बरकरार रखती है, जो कि बहुत दुर्लभ है। जुगैलियन आल्प्स से बहने वाली यह नदी अत्यधिक साफ-सुथरी होने के लिए भी जानी जाती है।

फुटालेउफू नदी अर्जेंटीना/चिली: फुटालेउफू नदी अर्जेंटीना और चिली के उत्तरी पेटागोनिया क्षेत्र में स्थित एक बेहद शानदार और प्राकृतिक रूप से समृद्ध नदी है। पेटागोनिया के पहाड़ों से निकलने वाली यह नदी अपने आश्चर्यजनक रूप से साफ, फिरोजी नीले पानी और शानदार राफ्टिंग रूट्स के लिए जानी जाती है। यह अपनी बेमिसाल सुंदरता, उग्र जलधाराओं और विश्व-स्तरीय साहसिक खेलों के केंद्र के रूप में दुनियाभर में मशहूर है। मापुचे भाषा में 'फुटालेउफू' का अर्थ 'बड़ी नदी' होता है। स्थानीय लोग इस घाटी को 'उन पैसजे पिंटाडो पोर डियोस' अर्थात ईश्वर द्वारा चित्रित परिदृश्य कहते हैं। इस नदी का उद्गम, अर्जेंटीना के यूनेस्को संरक्षित लॉस एलेर्सेस राष्ट्रीय उद्यान के हिमनदों की पिघली हुई बर्फ से होता है। यह नदी अर्जेंटीना और चिली देश की सीमा को पार करती है। यह चिली के बेहद खूबसूरत लॉस लागोस क्षेत्र से बहते हुए अंततः प्रशांत महासागर में जाकर गिरती है। फुटालेउफू नदी दुनिया के बेहतरीन व्हाइटवॉटर कयाकिंग और राफ्टिंग स्थलों में से एक है। इसके तीव्र बहाव, क्रिस्टल-क्लियर नीले पानी और विशाल घाटी के बीच राफ्टिंग करने का अनुभव रोमांच प्रेमियों के लिए खास है। *

अत्यंत स्वच्छ-सुंदर नदी उमंगोट

अपने देश के मेघालय की दावकी नदी के नाम से मशहूर उमंगोट नदी दुनिया की सबसे साफ नदियों में से एक है। इसका पानी इतना पारदर्शी है कि इसमें चलने वाली नाव हवा में तैरती हुई सी प्रतीत होती है। यह नदी अपनी असाधारण पारदर्शिता के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। इसका पानी इतना साफ है कि नदी तल के पत्थर और मछलियां 8 मीटर की गहराई तक स्पष्ट दिखाई देते हैं। यह नदी भारत और बांग्लादेश के बीच एक प्राकृतिक सीमा बनाती है। स्थानीय समुदायों द्वारा इसकी स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है।

आगामी 3 जुलाई को रिलीज होने वाली यशराज बैनर की फिल्म 'अल्फा' में आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह जबर्दस्त एक्शन करती दिखेंगी। यह फिल्म उन्होंने क्यों एक्सेप्ट की? अनिल कपूर और बॉबी देओल के साथ एक्टिंग करने के कैसे एक्सपीरियंस रहे? इस फिल्म के साथ प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ से जुड़े सवाल आलिया भट्ट से।

एक्शन-रोमांच से भरपूर 'अल्फा' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा: आलिया भट्ट

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार आलिया भट्ट इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'अल्फा' को लेकर चर्चा में हैं। आलिया अपनी इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। हाल ही में आलिया भट्ट ने फिल्म 'अल्फा' में काम करने के अनुभव के साथ-साथ अपनी प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ को लेकर खास बातचीत की। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

अपनी आगामी फिल्म 'अल्फा' को लेकर आप इन दिनों बहुत उत्साहित हैं। इस फिल्म में काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा ?

'अल्फा' की शूटिंग करते हुए मैंने बहुत अच्छा समय बिताया। यह किसी फिल्म के सेट पर मेरे सबसे मजेदार और यादगार अनुभवों में से एक रहा। यशराज के स्पाई यूनिवर्स बैनर के एक्शन-रोमांच से भरे इस भव्य प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा। इस फिल्म को करते वक्त मैंने उन चैलेंजेज को फेस किया, जिनका मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था। मैं इस एक्शन एंटरटेनर फिल्म के सेट पर जाने के लिए हमेशा उत्साहित रहती थी। मैंने इसका हर मिनट पूरी तरह से एंज्वॉय किया।

'अल्फा' के एक सीन में शरवरी वाघ के साथ आलिया भट्ट

इस फिल्म को साइन करते वक्त फिल्म की कौन-सी बात ने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया ?

वैसे तो इस फिल्म में बहुत सारी बाते हैं, जिसने मुझे फिल्म करने के लिए इंस्पायर किया, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा यह बात पसंद आई कि इस फिल्म के केंद्र में दो महिलाएं हैं, जो पूरी एक्शन स्टोरी को आगे बढ़ा रही हैं। बॉलीवुड फिल्मों में ऐसा हमें बहुत कम देखने को मिलता है। 'अल्फा' एक एटीट्यूड का जश्न है।

इस फिल्म में आप के साथ शरवरी वाघ, अनिल कपूर और बॉबी देओल भी हैं, इन सभी के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा ?

'अल्फा' फिल्म में काम करने के अनुभव को और भी खास बनाने वाली बात यह थी कि मुझे इतने शानदार लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। चाहे फिल्म के निर्देशक शिव रवैल हों, हमारे को-एक्टर्स शरवरी, अनिल कपूर और बॉबी देओल हों या एक्शन टीम और पर्दे के पीछे काम करने वाला पूरा क्रू ही क्यों ना हो, इस फिल्म को लेकर सभी के भीतर जबरदस्त उत्साह था। वो एनर्जी, वो वाइब दर्शकों को पर्दे पर भी दिखाई देगी।

'अल्फा' फिल्म के लिए भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने आप को स्पेशल ट्रेनिंग दी है, इस बारे में कुछ बताएंगी ?

हां, भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने इस फिल्म के लिए मुझे बहुत अच्छी ट्रेनिंग दी है। मैंने उनसे जिंदगी जीने का असली फलसफा भी सीखा है कि जिंदगी में कभी हार नहीं माननी चाहिए, हमेशा हौसले बुलंद रखने चाहिए।

'अल्फा' के अलावा आप और कौन-कौन सी फिल्में कर रही हैं ?

संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' कर रही हूं। इसके अलावा 'चामुंडा', 'जी ले जरा' जैसी कुछ फिल्में लाइनअप हैं।

आपके पसंदीदा डायरेक्टर्स कौन हैं, जिनके साथ आप काम करने की इच्छा रखती हैं ?

मैं राजकुमार हिरानी, अयान मुखर्जी और जोया अख्तर के साथ फिल्म करने की इच्छा रखती हूं। ये सभी मेरे पसंदीदा डायरेक्टर्स हैं।

आपके कोई तीन सीक्रेट्स या कमजोरी, जो आप अपने फैंस के साथ शेयर करना चाहेंगी ?

(हंसते हुए) मुझे अंधेरे से डर लगता है, मुझे जोर से डकार लेने की आदत है और मैं इमोशनल सॉन्ग्स सुनकर कई बार रो पड़ती हूं। इन्हें आप मेरी वीकनेस मान सकती हैं। *

सब मैनेज करना पड़ता है

आलिया सक्सेसफुल एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक अच्छी वाइफ और मां भी हैं। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बीच बैलेंस बनाना, उनके लिए कितना आसान या मुश्किल होता है? यह पूछे जाने पर आलिया कहती हैं, 'आसान तो कुछ भी नहीं होता, सब मैनेज करना पड़ता है। लेकिन मैं यह भी कहना चाहूंगी कि अगर आपको घर वालों का सपोर्ट मिले तो कई सारी मुश्किलें आसान हो जाती हैं। मुझे अपनी फैमिली का प्यार और सपोर्ट किसी न किसी रूप में मिलता रहता है। फिर चाहे मेरे पति रणबीर हों, बेटी राहा हो या सास नीतू सिंह क्यों ना हों। सासू मां और राहा तो मेरी जान हैं। स्पेशली सासू मां से मैंने सीखा कि जिंदगी में चाहे कितने ही उतार-चढ़ाव आ जाएं, हार नहीं माननी चाहिए और हमेशा पॉजिटिव सोच रखनी चाहिए। राहा से मैंने हमेशा खुश रहना सीखा है। जहां तक मेरे पति रणबीर की बात है तो वह मेरी जिंदगी का वो खूबसूरत एहसास हैं, जिनकी मैं शुरू से फैन थी। जहां वो पर्सनल लाइफ में शांत पति हैं, वहीं एक जिम्मेदार पिता भी हैं। हमारी बेटी राहा में तो उनकी जैसे जान ही बसती है।'